हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 336 : जौनपुर, गुरुवार 07 सितम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

दुग्ध इकाइयों की स्थापना पर भू उपयोग व श्रेणी परिवर्तन शुल्क से मिलेगी छुट्टी, होगा संशोधन

लखनऊ (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश सरकार दुग्ध आधारित उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करने के लिए निवेशकों को भू उपयोग परिवर्तन शुल्क व वाह्य विकास शुल्क से छूट या राहत सहित कई अतिरिक्त लाभ देने जा रही है। इसके लिए दुग्धशाला विकास व दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति 2022 में संशोधन की तैयारी शुरू कर दी गई है। प्रस्ताव के अनुसार राजस्व संहिता के नियमों के तहत कृषि भूमि के गैर कृषि भूमि में उपयोग तथा प्रोजेक्ट के बीच पड़ने वाली आरक्षित श्रेणी की भूमि के श्रेणी परिवर्तन पर लिए जाने वाले शुल्क को माफ करने की योजना है। इसी तरह शहरी व औद्योगिक क्षेत्रों में भू उपयोग परिवर्तन व वाह्य विकास शुल्क में रियायत देने की तैयारी है। दुग्ध नीति–2018 के तहत निवेश करने वाले उन निवेशकों को अनुदान व रियायतें देने की भी व्यवस्था की जाएगी, जिन्होंने तय समय में निवेश किया, लेकिन लाभ के आवेदन पर कार्रवाई हो उसके पहले नई नीति आ गई और मंजूरी नहीं मिल पाई। शासन के एक अधिकारी ने बताया कि दुग्ध विकास विभाग ने 2022 की नीति में संशोधन के लिए कैबिनेट प्रस्ताव तैयार कर लिया है। संबंधित विभागों से इस पर राय लेकर कैबिनेट से मंजूरी दिलाने की कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई परियोजना कृषि भूमि पर स्थापित की जानी है तो कृषि भूमि को गैर कृषि उपयोग में बदलना पड़ता है। इसके लिए निर्धारित सर्किल रेट पर भूमि के मूल्य का एक फीसदी शुल्क देना पड़ता है। यह शुल्क माफ किया जाएगा। परियोजना के लिए ली जा रही भूमि के बीच यदि चकरोड जैसी आरक्षित श्रेणी की भूमि आती है तो इसका श्रेणी परिवर्तन कराना पड़ता है। इसके लिए सर्किल रेट के 25: के बराबर श्रेणी परिवर्तन शुल्क देना पड़ता है। श्रेणी परिवर्तन निशुल्क होगा। आवास विकास परिषद व विकास प्राधिकरण, यूपीसीडा, यूपीडा व अन्य औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के क्षेत्र में कृषि भूमि पर लगने वाले उद्योगों के लिए भूमि उपयोग का रूपांतरण शुल्क लिया जाता है। उस भूमि के सर्किल रेट के मूल्य का 20 प्रतिशत शुल्क लिया जाता है। इसमें 50 प्रतिशत कमी का प्रस्ताव है। प्राधिकरण क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना पर संबंधित प्राधिकरण वाह्य विकास शुल्क लेते हैं। यह शुल्क भूमि के क्षेत्रफल पर प्रति वर्ग मीटर के अनुसार होता है। इसमें 75 फीसदी छूट देने का प्रस्ताव है। अक्तूबर 2022 में आई नई नीति में व्यवस्था है कि इसके लागू होने की तिथि तक 2018 की नीति के तहत जिन इकाइयों के अनुदान व रियायतें मंजूर हैं, उन्हें बकाया लाभ दिए जाएंगे। मगर, कई मामले ऐसे हैं जिनमें बैंक ऋण स्वीकृत हैं तथा ब्याज अदा हो रहे हैं। पर अनुदान व रियायतों के आवेदन लंबित रह गए और नई नीति आ गई। अब नई नीति लागू होने की तिथि से पूर्व दुग्ध विकास तथा उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के पोर्टल पर प्राप्त ऐसे आवेदन जिनके ऋण स्वीकृत हैं, उन्हें 2018 की नीति के तहत सभी लाभ देने की व्यवस्था होगी। भू उपयोग परिवर्तन शुल्क व वाह्य विकास शुल्क के रूप में अत्यधिक व्यय भार का वहन करना होता है। इससे इकाई की वित्तीय व्यावहारिता नकारात्मक रूप से प्रभावित होती है।

जनता का हम पर अभूतपूर्व भरोसा : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का विश्वास जताते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्हें इसमें कोई संदेह नहीं है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में लोग फिर से सही चुनेंगे। मनीकंट्रोल के साथ एक साक्षात्कार में, पीएम मोदी ने कहा कि समय और अनुभव उनके सबसे बड़े शिक्षक थे। प्रधान मंत्री ने कहा, 2014 में, कोई भी मोदी को नहीं जानता था और फिर भी उन्होंने मुझे इतने बड़े जनादेश के साथ वोट दिया। दस साल बाद, उन्होंने हर जगह थोड़ा–थोड़ा मोदी देखा है – चंद्रयान मिशन में, मेरी हाल की अमेरिका यात्रा में। अब वह वे मुझे अच्छी तरह से जानते हैं, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि लोग फिर से सही चुनेंगे। 2024 के आम चुनावों में एनडीए को कड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ेगा, जिसमें 26 विपक्षी दल मोदी रथ का मुकाबला करने के लिए एक संयुक्त मोर्चा (आई.एन.डी.आई.ए. गठबंधन) बनाने के लिए एकजुट हो रहे हैं। हाल ही में, प्यू रिसर्च सेंटर के एक अध्ययन से पता चला है कि 79 प्रतिशत भारतीयों का पीएम मोदी के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण था,।

सोनिया गांधी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, संसद के विशेष सत्र में 9 मुद्दों पर चर्चा की मांग की

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 18–22 सितंबर को होने वाले विशेष संसद सत्र का एजेंडा मांगा। उन्होंने नौ मुद्दे भी सूचीबद्ध किए और प्रधानमंत्री से आगामी सत्र में उन पर चर्चा के लिए समय देने का आग्रह किया। कांग्रेस नेता ने कहा, ष्आपने 18 सितंबर, 2023 से शुरू होने वाले संसद का विशेष पांच दिवसीय सत्र बुलाया है। मुझे यह बताना होगा कि यह विशेष सत्र अन्य राजनीतिक दलों के परामर्श के बिना बुलाया गया है।

हममें से किसी को भी इसके एजेंडे के बारे में कोई जानकारी नहीं है। चर्चा के लिए उठाए जाने वाले नौ मुद्दों को सूचीबद्ध करते हुए, सोनिया गांधी ने कहा, मुझे पूरी उम्मीद है कि इन मुद्दों पर चर्चा और बहस के लिए उचित नियमों के तहत समय आवंटित किया जाएगा। 1. आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों, बढ़ती बेरोजगारी, असमानताओं में वृद्धि और एमएसएमई के संकट पर ध्यान देने के साथ वर्तमान आर्थिक स्थिति। एमएसपी और उनके द्वारा उठाई गई अन्य मांगों के संबंध में भारत सरकार द्वारा किसानों और किसान संगठनों से की गई प्रतिबद्धता।

तमाम खुलासों के मद्देनजर अडानी बिजनेस ग्रुप के लेनदेन की जांच के लिए जेपीसी की मांग। मणिपुर के लोगों की निरंत हरियाणा जैसे विभिन्न राज्यों में सांप्रदायिक तनाव में वृद्धि। चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र पर लगातार कब्जा और लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में हमारी सीमाओं पर हमारी संप्रभुता को चुनौती। जाति जनगणना की तत्काल आवश्यकता। केंद्र–राज्य संबंधों को पहुंचाया जा रहा नुकसान। कुछ राज्यों में अत्यधिक बाढ़ और कुछ में सूखे के कारण प्राकृतिक आपदाओं का प्रभाव।

पीएम मोदी बोले, उदयनिधि के बयान पर सही से जवाब देना चाहिए

मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इतिहास में न जाएं, बल्कि संविधान के अनुसार तथ्यों पर कायम रहें

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन की विवादास्पद सनातन धर्म टिप्पणी का उचित जवाब दिया जाना चाहिए। वह मंत्रिपरिषद में बोल रहे थे। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कहा कि इतिहास में न जाएं, बल्कि संविधान के अनुसार तथ्यों पर कायम रहें। साथ ही मुद्दे की समसामयिक स्थिति पर भी बात करें। प्रधान मंत्री ने मंत्रियों को इंडिया बनाम भारत विवाद पर टिप्पणी न करने की भी सलाह दी, और कहा कि केवल अधिकृत व्यक्ति को ही इस मामले पर बोलना चाहिए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से करने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया। शनिवार को चेन्नई में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, ऐसी चीजों का विरोध नहीं किया जाना चाहिए बल्कि नष्ट किया जाना चाहिए।

इस टिप्पणी पर कई राजनीतिक दलों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, भाजपा ने कांग्रेस पर उनकी टिप्पणी की निंदा करने पर जोर दिया। हालाँकि, बाद में उन्होंने दावा किया कि उन्होंने सनातन धर्म के अनुयायियों के खिलाफ हिंसा का आह्वान नहीं किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सप्ताह नई दिल्ली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन से पहले बुधवार को सभी मंत्रियों को जी20 इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करने की सलाह दी। यह सलाह नई दिल्ली में महत्वपूर्ण जी20 शिखर सम्मेलन से पहले मंत्रिपरिषद की बैठक के साथ पीएम मोदी की बातचीत के दौरान आई। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह ऐप मंत्रियों को विदेशी प्रतिनिधियों के साथ निर्बाध रूप से बातचीत करने में मदद करेगा। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन अपने सनातन धर्म के बयान के बाद से ही लगातार चर्चा में बने हुए हैं। उनके बयान पर देश भर लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। इस बीच एक बार फिर उदयनिधि ने अपने बयान का बचाव किया है। साथ ही उन्होंने अपनी बात के पक्ष में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से लेकर महाभारत तक का जिक्र किया। उदयनिधि ने यह दावा किया है कि नए संसद भवन के उद्घाटन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ भेदभाव के कारण ही उन्हें नहीं बुलाया गया। मीडिया के जब उनसे सामाजिक भेदभाव का एक मौजूदा उदाहरण देने के लिए कहा, तो उन्होंने जवाब में कहा, राष्ट्रपति मुर्मू को नई संसद के उद्घाटन के लिए आमंत्रित नहीं किया जाना वर्तमान सनातन भेदभाव का एक उदाहरण है। इससे पहले स्टालिन ने महाभारत के एक उदाहरण के साथ भेदभाव पर टिप्पणी की थी। उन्होंने शिक्षक दिवस पर एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि शिक्षक अतुलनीय हैं, वे केवल आने वाले पीढ़ी के बारे में सोचते हैं।

अमेरिकी शहर ने 3 सितंबर को घोषित किया सनातन धर्म दिवस

नई दिल्ली (एजेन्सी)। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) नेता उदयनिधि स्टालिन और कांग्रेस के प्रियांक खड़गे की सनातन धर्म संबंधी टिप्पणियों पर भारत में विवाद के बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका के एक शहर ने 3 सितंबर को सनातन धर्म दिवस घोषित किया है। संयुक्त राज्य अमेरिका में केंटुकी के लुइसविले के मेयर ने शहर में 3 सितंबर को सनातन धर्म दिवस घोषित किया है। लुइसविले में केंटुकी के हिंदू मंदिर में महाकुंभ अभिषेकम उत्सव के दौरान मेयर क्रेग ग्रीनबर्ग की ओर से डिप्टी मेयर बारबरा सेक्स्टन स्मिथ द्वारा आधिकारिक उद्घोषणा पढ़ी गई। इस कार्यक्रम में आध्यात्मिक नेता चिदानंद सरस्वती, परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश के अध्यक्ष श्री श्री रविशंकर और भगवती सरस्वती के साथ–साथ उपराज्यपाल जैकलीन कोलमैन, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ कीशा डोर्सी और कई अन्य आध्यात्मिक नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

भारत/इण्डिया विाद के बीच बोले राहुल गांधी भारत, इंडिया या हिंदुस्तान, सबका मतलब मोहब्बत है

नई दिल्ली (एजेन्सी)। देश में इंडिया बनाम भारत को लेकर एक राजनीतिक विवाद छिड़ा हुआ है। सत्ता पक्ष भारत को लेकर वकालत कर रहा तो विपक्ष सरकार पर सवाल खड़े कर रहा है। इन सब के बीच राहुल गांधी ने भी पूरे मामले को लेकर अपनी राय रखी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भारत, इंडिया या हिंदुस्तान. .., सबका मतलब मोहब्बत है। राहुल गांधी ने 'यूट्यूब' पर अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' से संबंधित वीडियो साझा करते हुए लिखा, '' भारत, इंडिया या हिंदुस्तान..., सबका मतलब मोहब्बत, इरादा सबसे ऊंची उड़ान।'' पूरा मामला तब शुरू हुआ जब जी20 से संबंधित रात्रिभोज के निमंत्रण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'प्रेसीडेंट ऑफ भारत' के तौर पर संबोधित किया गया। इसपर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार देश के दोनों नामों 'इंडिया' और 'भारत' में से 'इंडिया' को बदलना चाहती है। इसमें राहुल गांधी ने पार्टी के कई नेताओं के साथ 4,000 किलोमीटर से अधिक की पैदल यात्रा की थी और इस दौरान उन्होंने समाज के विभिन्न वर्ग के लोगों से बातचीत की थी। यह यात्रा पिछले साल सात सितंबर को कन्याकुमारी से आरंभ हुई थी, जो इस वर्ष 30 जनवरी को श्रीनगर में समाप्त हुई थी। यह यात्रा 145 दिन चली थी। पूरा मामला तब शुरू हुआ जब जी20 से संबंधित रात्रिभोज के निमंत्रण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 'प्रेसीडेंट ऑफ भारत' के तौर पर संबोधित किया गया।

गठबंधन को पंजाब में बड़ा झटका, एकला चलो की राह पर आप

इण्डिया ब्लॉक को झटका देते हुए, आम आदमी पार्टी की पंजाब इकाई ने पंजाब में कांग्रेस के साथ सीटें साझा करने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इण्डिया ब्लॉक को झटका देते हुए, आम आदमी पार्टी की पंजाब इकाई ने पंजाब में कांग्रेस के साथ सीटें साझा करने से इनकार कर दिया है। पंजाब की मंत्री अनमोल गगन मान ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर चीजें अलग हो सकती हैं क्योंकि देश को बीजेपी से बचाने के लिए सभी पार्टियां एक साथ आई हैं लेकिन राज्य में आप कांग्रेस के साथ नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी नेतृत्व का आह्वान है। लेकिन हम पंजाब में कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं करेंगे। राष्ट्रीय स्तर पर चीजें अलग हो सकती हैं क्योंकि देश को बीजेपी से बचाने के लिए सभी पार्टियां (भारत गठबंधन) एक साथ आ गई हैं। हालांकि राज्य स्तर पर आप कांग्रेस के साथ नहीं जाएगी। हम पंजाब में कांग्रेस के साथ सीटों का बंटवारा बर्दाश्त नहीं करेंगे। दूसरी ओर पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने कहा कि फिलहाल, हमें सभी 13 लोकसभा सीटों पर तैयारी करने और सभी 13 सीटों के लिए अपेक्षित उम्मीदवारों के नाम बताने के लिए कहा गया है। हाईकमान सर्वोच्च है। आलाकमान हम पर चीजें थोपता नहीं है, वे हमेशा हमारी बात सुनते हैं और हमें विश्वास में लेते हैं। अमरिंदर सिंह राजा वारिंग ने बीते मंगलवार को घोषणा की थी कि राज्य में आम आदमी पार्टी (आप) के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा और पार्टी सभी 13 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वारिंग सहित पंजाब कांग्रेस के नेता बार–बार और स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि पंजाब में आप के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा का यह बयान कि आप ष्देश, उसके लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिएष कांग्रेस के साथ गठबंधन में राज्य में आगामी संसदीय चुनाव लड़ेगी, ने सबसे पुरानी पार्टी के राज्य नेताओं को हैरान कर दिया है। राज्य कांग्रेस के नेता लगातार आप से गठबंधन के खिलाफ बोलते रहे हैं। मीडियाकर्मियों के इस सवाल का जवाब देते हुए कि क्या पंजाब में आप और कांग्रेस मिलकर लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, चीमा ने कहा, ष्बेशक। इंडिया गठबंधन का गठन देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए किया गया है। गठबंधन के पीछे का उद्देश्य बहुत बड़ा है। जिसके लिए छोटे–मोटे मतभेदों को किनारे रखना होगा। हमारी प्राथमिकता देश और उसके लोकतंत्र और संविधान को बचाना है।

इण्डिया गठबंधन की हुई बड़ी बैठक

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इंडिया गठबंधन के विपक्षी दलों ने मांग की कि सरकार 18 से 22 सितंबर तक संसद के विशेष सत्र के एजेंडे में पारदर्शिता बनाए रखे और देश को अंधेरे में न रखे। साथ ही उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक को जल्द पारित करने का भी आह्वान किया। सूत्रों ने कहा कि पूर्व कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी आगामी सत्र के दौरान लोकसभा में विधेयक को शीघ्र पारित कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखेंगी क्योंकि यह विधेयक राज्यसभा में पहले ही पारित हो चुका है। एक बैठक में विपक्षी दलों ने आगामी सत्र में एक साथ चलने और अडानी मुद्दे को भी उठाने का फैसला किया। उन्होंने भारत पार्टियों की पहली संयुक्त सार्वजनिक रैली मध्य प्रदेश में और अगली बैठक भोपाल में आयोजित करने का भी निर्णय लिया।

देश के नाम पर की जा रही राजनीति, मायावती बोलीं- मामले पर संज्ञान ले सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेन्सी)। इंडिया–भारत विवाद पर राजनीतिक उथल–पुथल के बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से इस मुद्दे पर की जा रही ओछी राजनीति पर स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया। लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उन्होंने शीर्ष अदालत से देश का नाम रखने वाले सभी राजनीतिक निकायों पर प्रतिबंध लगाने का भी आग्रह किया। मायावती ने कहा कि सच तो यह है कि विपक्ष ने एक सोची–समझी साजिश के तहत अपने गठबंधन का नाम इंडिया रखकर बीजेपी–एनडीए को संविधान में बदलाव करने का मौका दिया है। यह सत्ता पक्ष की सोची–समझी साजिश है और विपक्ष. ..चुनाव से पहले उन्होंने जो राजनीति की है, जनता उसे समझती है। मायावती ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने बेरोजगारी, गरीबी और महंगाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को दरकिनार कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बीजेपी–एनडीए गठबंधन को गठबंधन के श्इंडियाश नाम के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाना चाहिए था। उन्हें देश के नाम के समान गठबंधन का नाम रखने पर रोक लगाने वाला कानून बनाना चाहिए था।

पीएम मोदी ने मंत्रियों को जी20 इण्डिया ऐप डाउनलोड करने की दी सलाह

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह ऐप मंत्रियों को विदेशी प्रतिनिधियों के साथ निर्बाध रूप से बातचीत करने में मदद करेगा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सप्ताह नई दिल्ली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन से पहले बुधवार को सभी मंत्रियों को जी20 इंडिया मोबाइल ऐप डाउनलोड करने की सलाह दी। यह सलाह नई दिल्ली में महत्वपूर्ण जी20 शिखर सम्मेलन से पहले मंत्रिपरिषद की बैठक के साथ पीएम मोदी की बातचीत के दौरान आई। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह ऐप मंत्रियों को विदेशी प्रतिनिधियों के साथ निर्बाध रूप से बातचीत करने में मदद करेगा। भारत में विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में होने वाले जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन से पहले एक महत्वपूर्ण डिजिटल मील का पत्थर चिह्नित करते हुए जी20 इंडिया नामक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है। ऐप उपयोगकर्ताओं को घटना–संबंधी जानकारी के लिए एक व्यापक, इंटरैक्टिव गाइड प्रदान करता है। प्लेटफॉर्म की विशेषताओं में ळ20 इंडिया 2023 इवेंट के लिए एक कैलेंडर, संसाधन, मीडिया और जी20 के बारे में जानकारीपूर्ण विवरण शामिल हैं। जी20 इंडिया मोबाइल ऐप का अनावरण भारत की चल रही तकनीकी प्रगति को बढ़ाता है और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय आयोजनों को सुविधाजनक बनाने के लिए डिजिटल उपकरणों का लाभ उठाने की देश की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इस साल 9–10 सितंबर को भारत की अध्यक्षता में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन से पहले भारत सरकार ने जी20 इंडिया ऐप लॉन्च किया है। यह ऐप भारत की जी20 अध्यक्षता तक काम करेगा। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार तक वैश्विक स्तर पर 15000 से अधिक मोबाइल ऐप डाउनलोड किए गए। ळ20 इंडिया मोबाइल ऐप प्रतिनिधियों को सभी ळ20 देशों की भाषाओं में विदेशी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने में मदद करेगा। सरकारी अधिकारी इस बात पर जोर देते हैं कि मोबाइल एक नेविगेशन सुविधा भी है जो विदेशी प्रतिनिधियों को देश में एक स्थान से दूसरे स्थान और भारत मंडपम तक जाने में मदद करती है। जी20 इंडिया ऐप के साथ, भारतीय मंत्री विदेशी प्रतिनिधियों के साथ भाषा के साथ–साथ संचार बाधाओं को भी दूर कर सकते हैं। जी20 इंडिया मोबाइल ऐप में ऐसी सेवाएँ बनाई गई हैं, जिन्हें लोग 24 भाषाओं में एक्सेस कर सकते हैं। भारत 9–10 सितंबर तक नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए विश्व नेता नई दिल्ली पहुंचेंगे। शिखर सम्मेलन नई दिल्ली के प्रगति मैदान में अत्याधुनिक भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा।

24 सितंबर को शादी करेंगे राघव चड्ढा और परिणीति चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा इसी महीने शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। यह जोड़ी इस महीने के अंत में राजस्थान के उदयपुर में शादी करेगा। शादी की रस्में 23 और 24 सितंबर को लीला पैलेस और द ओबेरॉय उदयविलास में होंगी। अब जोड़े के रिसेप्शन लंच के निमंत्रण कार्ड की एक तस्वीर वायरल हो रही है। बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी (आप) सांसद राघव चड्ढा 23 सितंबर को राजस्थान में शादी करने वाले हैं। बॉलीवुड की सबसे प्यारी जोड़ी और उनकी शादी की खबरें शहर में चर्चा का विषय बन गई हैं। दोनों ने मई 2023 में दिल्ली के कपूरथला हाउस में परिवार के सदस्यों और दोस्तों की मौजूदगी में सगाई की।

घर-घर से मुट्ठी भर मिट्टी, चुटकी भर अक्षत का होगा संग्रह, कलश यात्रा की तैयारियों की हुई समीक्षा

लखनऊ (एजेन्सी)। मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम के तहत 11 सितंबर से 30 अक्तूबर तक देश व प्रदेश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके तहत नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में घर–घर जाकर मुट्ठी भर मिट्टी, चुटकी भर अक्षत (चावल) संग्रह किया जाएगा। कार्यक्रम में युवक मंगल दल, महिला मंगल दल, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एनसीसी, एनएसएस, एनवाईके, स्काउट्स एंड गाईड, नागरिक सुरक्षा संगठन आदि का भी सहयोग लिया जाएगा। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कार्यक्रम के तहत कलश यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी तैयारियों को समय से पूरा कराते हुये प्रदेश भर में भव्य आयोजन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर घर में उत्सव का माहौल पैदा किया जाए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को स्वतंत्रता आंदोलन की प्रमुख घटनाओं एवं नायकों से परिचित कराया जाये। वहीं, अमृत कलश यात्रा 13 अक्तूबर से शुरू होगी। यात्रा के निर्धारित रास्ते पर लोगों का स्वागत पुष्प वर्षा से होगी। 27 अक्तूबर को लखनऊ स्थित झूलेलाल वाटिका में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। विशेष रेलगाड़ी से अमृत कलश यात्रा 28 अक्तूबर को दिल्ली जाएगी।

सम्पादकीय

जरूरी है शिक्षकों की गरिमा स्थापित होना, शिक्षा को भगवान भरोसे छोड़ बाकी चीजों में हो रहा निवेश

मानव सभ्यता के संदर्भ में अध्यापन कार्य न केवल दूसरे व्यवसायों की तुलना में सदैव विशेष महत्व का रहा है, बल्कि अन्य सभी व्यवसायों का आधार भी रहा है। आज सामाजिक परिवर्तन विशेषतः तकनीक की तीव्र उपस्थिति शिक्षक और शिक्षार्थी के रिश्तों को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। साथ ही कक्षा, समाज और व्यापक विश्व के संदर्भ में शिक्षक की संस्था भी नए ढंग से जानी–पहचानी जा रही है। इसके फलस्वरूप शिक्षक की औपचारिक भूमिका और व्याप्ति का क्षेत्र अतीत की तुलना में वर्तमान में नए–नए आयाम प्राप्त कर रहा है। इन सबके बीच अभी भी अध्यापक अपने गुणों, कार्यों और व्यवहार से छात्रों को प्रभावित कर रहा है और उसी के आधार पर भविष्य के समाज एवं देश के भाग्य को भी रच रहा है।

एक अध्यापक को समाज ने अधिकार दिया है कि वह अपने छात्र के जीवन में प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हस्तक्षेप करे, विद्यार्थियों को भविष्य के सपने दिखाए और उनमें निहित क्षमता को समृद्ध कर उन सपनों को साकार करने के लिए तैयार करे। ऐसा करते हुए वह मूल्यों और मनोवृत्तियों को भी गढ़ता है। वशिष्ठ, चाणक्य, रवींद्रनाथ टैगोर, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, सर्वपल्ली राधाकृष्णन आदि के स्मरण से मन में गुरु की आदर्श और तेजस्वी छवि बनती है। ज्ञात हो कि राधाकृष्णन की जन्मतिथि पर ही शिक्षक दिवस मनाया जाता है। शिक्षा के परिसर में अध्यापक के व्यवहार के जो नैतिक और आचारगत परिणाम होते हैं, वे समाज की नैतिक परिपक्वता और विवेक को निश्चित करते हैं। इसीलिए अध्यापक को जांचने–परखने के लिए ऊंची कसौटी और मानक तय किए जाते हैं, जिन्हें दूसरे व्यवसाय के लोग आसानी से नहीं स्वीकारते। अध्यापकों से नैतिक गुणों की अपेक्षा होती है। उनसे आशा की जाती है कि वे अपने आचरण में उचित और अनुचित का विवेक करेंगे। योग्यता, कुशलता और गुणवत्ता उनके व्यवहार से झलकेगी। वे प्रतिबद्धता, काम के प्रति समर्पण, सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और पूर्वाग्रहमुक्त आचरण की मिसाल प्रस्तुत करेंगे। शिक्षक की गुणवत्ता विद्यार्थी की सफलता का सबसे प्रमुख आधार होता है। ऐसा सोच कर अभिभावक अपने मन में अध्यापक और गुरु के प्रति सहज सम्मान का भाव रखता रहा है। पहले एक गुरु मानसिक और व्यावहारिक रूप से दूसरों की भलाई करने वाले और भविष्य का नजरिया रखने वाले इंसान के रूप में प्रतिष्ठित था। वह माता–पिता से कम महत्व का न था। वह विद्यार्थी का प्रेरणास्रोत और ऐसा हितैषी था, जो उसे सत्पथ पर जाने की राह दिखाता था। उनमें चरित्र निर्माण करते हुए एक अच्छा मनुष्य और देश का अच्छा नागरिक बनाना उसका कर्तव्य था। समाज में गुरु की ऊंची साख इसलिए भी थी कि वह निर्भय होकर बिना किसी लाग–लपेट लोकहित की बात कह सकता था, पर अब यह छवि बदल रही है। थोड़े अध्यापक ही अपनी मूल छवि की रक्षा कर पा रहे हैं। आज 21वीं सदी में पहुंच कर न केवल ज्ञान की विषयवस्तु में बदलाव आया है, बल्कि पठन–पाठन के तौर–तरीके भी बदले हैं। अनुदानप्राप्त शिक्षा केंद्रों में वेतन तो बढ़ा है, परंतु आम तौर पर शिक्षण कार्य के साथ लगाव और रुचि में कमी आई है। तल्लीन होकर कार्य करना और उसे गंभीरता से लेना अध्यापकों की प्राथमिकता में नीचे खिसक रहा है। शिक्षक की नैतिक क्षमता और योग्यता अब दुर्लभ हो रही है। अध्यापकों के विद्यार्थियों के साथ बर्ताव को लेकर गलत आचरण की शंका बढ़ रही है और भरोसा कम हो रहा है। यह खेदजनक है कि विगत वर्षों में अनेक संस्थानों में छात्रों को प्रताड़ित करने के मामलों में वृद्धि हुई है। इंटरनेट मीडिया के अनियंत्रित दखल ने स्वस्थ और सुरक्षित शैक्षिक परिवेश की राह में बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। ऐसे में नैतिकता और शिक्षा प्रक्रिया के संबंध को न्याय और ईमानदारी की भावना से स्थापित करना आवश्यक हो गया है। सामाजिक मूल्यों और मानकों का पालन, गुणवत्तापूर्ण सीखने–सिखाने की प्रक्रिया, छात्रों की आवश्यकताओं को जानकर ईमानदार और न्यायपूर्ण समाधान आज की सबसे बड़ी चुनौती हो गई है।

जब जीएसटी कानून पर आम सहमति बन सकती है तो एक देश-एक चुनाव पर क्यों नहीं

राहुल गांधी की मानें तो एक देश–एक चुनाव की पहल भारत के विचार और देश के संघीय ढांचे पर हमला है। अच्छा हो कि कोई उन्हें बताए कि 1952 से लेकर 1967 तक लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभाओं के चुनाव होते थे। क्या राहुल यह कहना चाहते हैं कि नेहरूजी और इंदिराजी लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव एक साथ कराकर संघीय ढांचे पर हमला कर रहे थे? एक देश–एक चुनाव पर विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रिया चकित करने वाली है। एक ओर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल यह कह रहे हैं कि हम किसी भी चीज के लिए तैयार हैं और दूसरी ओर उनके पास इस प्रश्न का उत्तर नहीं कि आखिर लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने एक देश–एक चुनाव पर गठित समिति से अपना नाम वापस क्यों लिया? एक अन्य कांग्रेस नेता जयराम रमेश यह कह रहे हैं कि इसके लिए आम सहमति बनानी होगी, लेकिन पता नहीं क्यों वह यह भूल जा रहे हैं कि यह तो तब संभव होगा, जब कांग्रेस उक्त समिति को अपने सुझाव देगी। यह अजीब है कि कांग्रेस की ओर से ऐसा करने के स्थान पर यह कहा जा रहा है कि एक देश–एक चुनाव की पहल संघीय ढांचे पर हमला है। यह बात जयराम रमेश ने भी कही और राहुल गांधी ने भी। यह मानने के अच्छे–भले कारण हैं कि अपने शीर्ष नेताओं के नकारात्मक रवैये के कारण ही अधीर रंजन चौधरी ने उक्त समिति में शामिल होने से इन्कार किया। ध्यान रहे कि इस आठ सदस्यीय समिति में उनका नाम तभी शामिल किया गया था, जब इसके लिए उन्होंने अपनी सहमति दे दी थी। राहुल गांधी की मानें तो एक देश–एक चुनाव की पहल भारत के विचार और देश के संघीय ढांचे पर हमला है। अच्छा हो कि कोई उन्हें बताए कि 1952 से लेकर 1967 तक लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभाओं के चुनाव होते थे। क्या राहुल यह कहना चाहते हैं कि नेहरूजी और इंदिराजी लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव एक साथ कराकर संघीय ढांचे पर हमला कर रहे थे? उन्हें इतनी बेतुकी बात करने के पहले कम से कम अपनी पार्टी के अतीत से तो अवगत ही होना चाहिए। वास्तव में एक देश–एक चुनाव की पहल पर राहुल का विचित्र वक्तव्य अंधविरोध की राजनीति का ही परिचायक है। लगता है उन्होंने यह ठान लिया है कि मोदी सरकार को न तो कोई रचनात्मक सहयोग देना है और न ही सकारात्मक राजनीति की राह पर चलना है। इससे इन्कार नहीं कि एक देश–एक चुनाव के लक्ष्य को पाने के लिए व्यापक विचार–विमर्श के साथ संवैधानिक प्रविधानों में परिवर्तन की प्रक्रिया से गुजरना होगा, लेकिन जन हित और देश हित में यह काम किया जाना चाहिए। कांग्रेस समेत जो विपक्षी नेता एक देश–एक चुनाव को जटिल मसला बता रहे हैं, उन्हें इससे परिचित होना चाहिए कि जीएसटी कानून का निर्माण भी एक जटिल प्रक्रिया थी। यदि जटिल समझे जाने वाले जीएसटी कानून पर आम सहमति बन सकती है तो एक देश–एक चुनाव पर क्यों नहीं बन सकती? निःसंदेह बन सकती है, यदि विपक्षी दल नकारात्मकता का परित्याग करें और यह समझें कि एक साथ चुनाव कराने से समय के साथ संसाधनों की भी बचत होगी और इसका लाभ जनता के साथ उन्हें भी मिलेगा। यह अजीब है कि कांग्रेस की ओर से ऐसा करने के स्थान पर यह कहा जा रहा है कि एक देश–एक चुनाव की पहल संघीय ढांचे पर हमला है। यह बात जयराम रमेश ने भी कही और राहुल गांधी ने भी। यह मानने के अच्छे–भले कारण हैं कि अपने शीर्ष नेताओं के नकारात्मक रवैये के कारण ही अधीर रंजन चौधरी ने उक्त समिति में शामिल होने से इन्कार किया। ध्यान रहे कि इस आठ सदस्यीय समिति में उनका नाम तभी शामिल किया गया था, जब इसके लिए उन्होंने अपनी सहमति दे दी थी। राहुल गांधी की मानें तो एक देश–एक चुनाव की पहल भारत के विचार और देश के संघीय ढांचे पर हमला है। अच्छा हो कि कोई उन्हें बताए कि 1952 से लेकर 1967 तक लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभाओं के चुनाव होते थे। क्या राहुल यह कहना चाहते हैं कि नेहरूजी और इंदिराजी लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव एक साथ कराकर संघीय ढांचे पर हमला कर रहे थे? उन्हें इतनी बेतुकी बात करने के पहले कम से कम अपनी पार्टी के अतीत से तो अवगत ही होना चाहिए। वास्तव में एक देश–एक चुनाव की पहल पर राहुल का विचित्र वक्तव्य अंधविरोध की राजनीति का ही परिचायक है।

जल्द से जल्द ढूँढ़ने होंगे तीन सवालों के जवाब

डॉ. आशीष वशिष्ठ

एक परेशानी ये भी है कि यदि मल्लिकार्जुन खरगे या नीतीश संयोजक बनते हैं तो ये शरद पवार खेमे को ये नागवार गुजरेगा। अभी तक हो रही देरी को लेकर कोई औपचारिक बयान नहीं दिया गया है, किसी तरह का कारण भी सामने नहीं आया है। इसी वजह से जानकार मान रहे हैं कि अंदरूनी झगड़ों से बचने के लिए अब तक इंडिया गठबंधन के संयोजक का ऐलान नहीं किया गया है। एक के नाम पर मुहर लगने का मतलब है दो अन्य का नाराज होना। इस स्थिति से लगातार बचने के चलते नाम के ऐलान से भी खुद को दूर रखा जा रहा है।

विपक्षी गठबंधन इंडिया की तीसरी बैठक हाल ही देश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले महानगर मुंबई में संपन्न हुई। विपक्षी गठबंधन की ये तीसरी बैठक थी। पहली बैठक जून में पटना में, जबकि दूसरी बैठक जुलाई में बेंगलुरु में हुई थी। जहां इसे इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायंस (इंडिया) नाम दिया गया। तीन बैठकों के बाद भी विपक्ष तीन सवालों से लगातार मुंह चुरा रहा है या फिलवक्त वो इन सवालों का जवाव ढूंढ़ नहीं पाया है। पहला प्रश्न यह है कि प्रधानमंत्री पद का चेहरा कौन? दूसरा प्रश्न है, सीट बंटवारा कब तक? और अंतिम एवं तीसरा प्रश्न है कि गठबंधन का संयोजक कौन? मुंबई बैठक में एक बार फिर ये भाव उभरकर आया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ता से हटाने के लिए गैर भाजपाई दलों की एकता ही एकमात्र उपाय है। विपक्ष की तीसरी बैठक में तीन संकल्पों पर सहमति बनी। इंडिया के सभी दल लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेंगे। सीट शेयरिंग के बारे में सभी दल जल्द ही सहमति से फैसला लेंगे। सभी पार्टियों के नेताओं से कहा गया कि वह सहयोगी दलों को कितनी सीटें दे सकते हैं, इस पर जल्द से जल्द अपना पक्ष रखें। इंडिया के नेता पूरे देश में एक साथ रैली करेंगे। विपक्षी गठबंधन की तीसरी बैठक से हासिल क्या हुआ ये कह पाना तो कठिन है लेकिन जुड़ेगा भारत जीतेगा इंडिया, जैसा नारा जरूर तय हो गया। इंडिया गठबंधन की ये सबसे बड़ी चुनौती इस समय चल रही है। कैमरे के सामने सभी एकजुट होने का दावा जरूर कर रहे हैं, लेकिन अंदर खाने काफी कुछ चल रहा है। उन तमाम गतिविधियों की वजह से ही अब तक कई चीजों पर आम सहमति बनती नहीं दिख रही है। सबसे पहले इंडिया को ये तय करना था कि उसका संजोयक कौन बनने जा रहा है। कोई बहुत बड़ा सवाल नहीं था, इस पर ज्यादा विवाद भी नहीं होना था। लेकिन 26 पार्टियों वाला ये विशाल कुनबा इस सवाल का जवाब भी नहीं खोज पाया। संयोजक के नाम पर एक राय न होने की वजह साफ है कि विभिन्न नेताओं की महत्वाकांक्षाओं में टकराव है। वैसे तो सभी नेता कहते रहे हैं कि वे इस पद हेतु दावेदार नहीं हैं किंतु वास्तविकता ये है कि कांग्रेस येन केन प्रकारेण अपना संयोजक बनाना चाहती है किंतु आम आदमी पार्टी जैसे छोटे दल भी कांग्रेस की अगुवाई में काम करने के इच्छुक नहीं हैं। इंडिया गठबंधन के संयोजक के रूप में सबसे पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम चल रहा था। उनकी तरफ से क्योंकि इस विपक्षी एकता की रूपरेखा रखी गई, उन्होंने ही शुरुआत में कई नेताओं से मुलाकात कर सियासी पिच खड़ी करने की तैयारी की, ऐसे में उन्हें ये मौका मिल सकता था। लेकिन जब तक ये अटकलें और ज्यादा जोर पकड़तीं, नीतीश ने मुंबई बैठक से पहले ही साफ कर दिया कि उन्हें इस पद की कोई लालसा नहीं है। वे तो किसी भी पद की उम्मीद में नहीं बैठे हैं। उन्हें तो बस विपक्ष को एकजुट करना है। जबकि असलियत यह है कि नीतीश कुमार संयोजक बनने के लिए लालायित हैं। लेकिन अंदरूनी तौर पर बिहार सरकार में ही उनके सहयोगी लालू प्रसाद यादव उनके नाम पर तैयार नहीं हैं। लालू नीतीश को राष्ट्रीय नेता बनते नहीं देखना चाहते। इसी कड़ी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नाम ने जोर पकड़ना शुरू किया। सूत्रों से यहां तक खबर मिलने लगी कि मुंबई बैठक में मल्लिकार्जुन खड़गे को ये अहम जिम्मेदारी दे दी जाएगी। लेकिन ऐन वक्त पर पता चला कि मुंबई बैठक में संयोजक का ऐलान नहीं किया जाएगा। एक परेशानी ये भी है कि यदि मल्लिकार्जुन खरगे या नीतीश संयोजक बनते हैं तो ये शरद पवार खेमे को ये नागवार गुजरेगा। अभी तक हो रही देरी को लेकर कोई औपचारिक बयान नहीं दिया गया है, किसी तरह का कारण भी सामने नहीं आया है। इसी वजह से जानकार मान रहे हैं कि अंदरूनी झगड़ों से बचने के लिए अब तक इंडिया गठबंधन के संयोजक का ऐलान नहीं किया गया है। एक के नाम पर मुहर लगने का मतलब है दो अन्य का नाराज होना। इस स्थिति से लगातार बचने के चलते नाम के ऐलान से भी खुद को दूर रखा जा रहा है। ऐसे में इंडिया के लिए संयोजक तय करना मुश्किल होता जा रहा है। इंडिया गठबंधन के साथ चेहरे को लेकर भी दुविधा खड़ी हो रही है। चेहरे से मतलब है कि पीएम मोदी के खिलाफ किसे विपक्ष अपना पीएम उम्मीदवार दिखाने वाला है। अब ये सवाल भी अपने आप में बड़े सियासी तूफान को जन्म दे सकता है। इस बारे में अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भले ही पचास से ज्यादा नेता इंडिया की बैठक में शामिल होते हैं किंतु जब मोदी के मुकाबले के लिए किसी को सामने लाने का सवाल उठता है तब एक खालीपन महसूस होने लगता है। गठबंधन में ये डर भी देखा जा रहा है कि संयोजक को प्रधानमंत्री पद का चेहरा मान लिए जाने से पूरा मुकाबला इकतरफा हो जाएगा क्योंकि चेहरे और व्यक्तित्व के मामले में प्रधानमंत्री मोदी पूरे विपक्ष पर भारी पड़ते हैं। संयोजक के नाम पर आम राय और विपक्ष का चेहरा कौन होगा के अलावा ऐसी ही परेशानी सीटों के बंटवारे को लेकर है। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल ने बैठक में ये मांग कर डाली कि इस मुद्दे पर तत्काल फैसला किया जाए। लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। जिस तरह की जानकारी अंदरखाने से आई हैं उसके अनुसार कांग्रेस संयोजक और सीट बंटवारे को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनाव तक टालना चाहती है। दरअसल उसे उम्मीद है कि वह कर्नाटक की तरह से ही उक्त तीनों राज्य जीतने जा रही है। और तब संयोजक और सीट बंटवारे के निर्णय में उसका हाथ ऊपर रहेगा। इस प्रकार भले ही राहुल गांधी कितनी भी उदारता दिखाते हुए विपक्षी एकता के प्रति समर्पण भाव व्यक्त करें किंतु गठबंधन का स्वरूप नेचुरल कम आर्टिफिशियल ज्यादा नजर आ रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो ये मजबूरी से उपजी जरूरत है। यही वजह है कि मोदी विरोध के नाम पर एक साथ बैठने के बाद भी नेता और सीटों के बंटवारे पर निर्णय नहीं हो पा रहा है। सीटों के बंटवारे को जिस तरह से कांग्रेस टरका रही है उसकी वजह से भी अविश्वास बरकरार है। आम आदमी पार्टी जिस प्रकार से दबाव बना रही है उससे बाकी पार्टियां भी परेशान हैं क्योंकि केजरीवाल की महत्वाकांक्षा प्रधानमंत्री बनने की है जिसे न कांग्रेस भाव देगी, न ही ममता बैनर्जी और नीतीश कुमार। जिन तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव आगामी महीनों में होने जा रहे हैं उनमें आम आदमी पार्टी जिस प्रकार से पैर पसार रही है उससे कांग्रेस परेशान है। लेकिन केजरीवाल को रोकने का साहस भी नहीं बटोर पा रही। ऐसा लगता है संसद के विशेष सत्र की घोषणा ने गठबंधन को रुको, देखो और फिर आगे बढ़ने के लिए बाध्य कर दिया है। मुंबई में हुई बैठक के पहले जो माहौल बनाया गया उसे देखकर लग रहा था कि उसमें ठोस निर्णय होंगे किंतु ऐसा कुछ नहीं हुआ और पांच सितारा होटल में बैठकर गरीबी और बेराजगारी पर केंद्र सरकार की आलोचना कर बैठक खत्म हो गई। एक देश, एक चुनाव की चर्चाओं ने विपक्षी गठबंधन की चुनौतियां को बढ़ाने का काम किया है। जिस तरह से देश की राजनीति तेजी से करवट ले रही है, ऐसे में देश की जनता के समक्ष अपनी विश्वसनीयता और साख कायम रखने के लिए विपक्ष को इन सवालों का जवाब जल्द ढूंढ़ लेना चाहिए।

उदयनिधि स्टालिन का बयान और सियासत

यही कारण है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन के पुत्र और राज्य के खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने चेन्नई में एक प्रायोजित 'सनातन उन्मूलन परिसंवाद' कार्यक्रम में कहा– सनातन धर्म सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है। कुछ चीजों का विरोध नहीं किया जा सकता, उन्हें ही खत्म किया जाना चाहिए। हम डेंगू, मच्छर, मलेरिया या कोरोना का विरोध नहीं कर सकते। इसी तरह हमें सनातन को खत्म करना है। उदयनिधि ने कहा कि सनातन नाम संस्कृत का है। यह सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है। उदयनिधि ने दावा किया कि वो यह बात सनातन धर्म से पीडिघ्त लोगों की ओर से कह रहे हैं। अपने भाषण में उदयनिधि ने जहां सनातन हिंदू धर्म की तुलना मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों से की तो दूसरी तरफ संस्कृत भाषा पर भी निशाना साधा। बावजूद इस सच्चाई के कि खुद उनका नाम उदयनिधि भी संस्कृत का ही शब्द है, जिसे उन्होंने नहीं बदला।

अजय बोकिल

तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की आड़ में भाजपा और आरएसएस पर ताजा हमला इस साल के शुरू में रामचरित मानस की कुछ चौपाइयों को महिला व दलित विरोधी बताते हुए उन्हें हटाने की मांग से शुरू हुई हिंदुत्व विरोधी राजनीति अब नई शक्ल में है। यही कारण है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन के पुत्र और राज्य के खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने चेन्नई में एक प्रायोजित 'सनातन उन्मूलन परिसंवाद' कार्यक्रम में कहा– सनातन धर्म सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है। कुछ चीजों का विरोध नहीं किया जा सकता, उन्हें ही खत्म किया जाना चाहिए। हम डेंगू, मच्छर, मलेरिया या कोरोना का विरोध नहीं कर सकते। इसी तरह हमें सनातन को खत्म करना है। उदयनिधि ने कहा कि सनातन नाम संस्कृत का है। यह सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है। उदयनिधि ने दावा किया कि वो यह बात सनातन धर्म से पीडिघ्त लोगों की ओर से कह रहे हैं। अपने भाषण में उदयनिधि ने जहां सनातन हिंदू धर्म की तुलना मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियों से की तो दूसरी तरफ संस्कृत भाषा पर भी निशाना साधा। बावजूद इस सच्चाई के कि खुद उनका नाम उदयनिधि भी संस्कृत का ही शब्द है, जिसे उन्होंने नहीं बदला। उदयनिधि के इस बयान पर भाजपा की ओर तीखी प्रतिक्रिया आई। पार्टी के आईटी सेल के मुखिया अमित मालवीय ने ट्वीट किया कि उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को मलेरिया और डेंगू से जोड़ा है। संक्षेप में वह सनातन धर्म का पालन करने वाली भारत की 80 प्रतिशत आबादी के नरसंहार का आवाह्न कर रहे हैं। हालांकि बाद में उदयनिधि ने सफाई दी कि उन्होंने सनातन धर्म के खात्मे की बात की है, नरसंहार की नहीं। उधर तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के. अन्नामलाई ने स्टालिन परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि उदयनिधि और उनके पिता के विचार ईसाई मिशनरियों से प्रभावित हैं। गौरतलब है कि उदयनिधि से दो साल पहले तमिलनाडु कांग्रेस नेता के.एस. अलागिरी ने कहा था कि राज्य में भाजपा चुनाव में हारेगी और सनातन धर्म का नाश होगा। तमिलनाडु की एक स्थानीय पार्टी विदुथलाई चिरूथाइगल कात्ची (वीसीके) के प्रमुख थिरूमावलावन ने तो यहां तक कह डाला कि भाजपा देश पर सनातन धर्म थोपना चाहती है। सनातन धर्म तो 'अल्कोहल से भी बदतर' है। थिरूमावलावन ने तो 2019 के लोकसभा चुनाव को'सनातन धर्म के विरूद्ध युद्ध' तक बता दिया था। उदयनिधि स्टालिन के बयान पर पहले तो विपक्षी दलों में कुछ असमंजस दिखाई दिया लेकिन जैसा कि रामचरित मानस वाले मामले में हुआ था, इस मुद्दे के राजनीतिक लाभ के मद्देनजर कई दल हां में हां मिलाने लगे। सबसे आश्चर्यजनक समर्थन कांग्रेस के दो नेताओं का था। पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी. चिदम्बरम के बेटे कार्ति चिदम्बरम ने उदयनिधि के बयान को सपोर्ट करते हुए कहा कि सनातन धर्म जातिगत भेदभाव पर आधारित समाज के लिए एक संहिता के अलावा और कुछ नहीं है। सनातन धर्म के पैरोकार पुराने दौर को वापस लाने की कोशिश में हैं। जाति भारत के लिए अभिशाप है। कर्नाटक सरकार में मंत्री व कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के पुत्र प्रियांक खड़गे ने कहा कि कोई भी धर्म जो समान अधिकार नहीं देता, वो बीमारी के समान है। ये हैं– सनातन धर्म का घातक इतिहास, सनातन और नारी, तमिल प्रतिमान और सनातन, जाति इतिहास तथा षड्यंत्र थ्योरी, तमिल संगीत और सनातन, सनातन को थोपना और मीडिया में प्रतिरोध, सनातन धर्म राजनीति और अध्यात्म से उबरने के उपाय, सनातन धर्म नष्ट करने के अस्त्र। इस परिषद के मुख्य वक्ता डीएमके, कम्युनिस्ट व कांग्रेस के नेता थे। कार्यक्रम का आयोजन तमिलनाडु प्रगतिशील लेखक एवं कलाकार एसोसिएशन ने किया था। जहां तक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात है तो इस देश में सभी को अपनी बात कहने का हक है। लेकिन बात यहीं तक सीमित नहीं है। भाजपा और संघ की राजनीति से परेशान दूसरे दलों ने अब उसके मूल पर चोट करने की रणनीति बनाई है। उनका मानना है कि भाजपा और संघ हिंदुत्व के नाम पर ब्राह्मणवाद और वर्ण व्यवस्था को वापस लाना चाहते है। वो संविधान को भी बदलना चाहते हैं। उनका समरसता का नारा भी ढकोसला है। इन आरोपों में कुछ सच्चाई हो सकती है लेकिन विरोधी दलों के डर का असल कारण बहुसंख्य हिंदुओं का हिंदुत्व की छतरी तले एक होना है। जहां भी ऐसा हुआ है, वहां विरोधी राजनीतिक दल और विचार के लिए स्पेस सिकुड़ता गया है। केवल दक्षिण के तीन राज्य इससे बचे हुए हैं। तमिलनाडु में भाजपा की एंट्री अभी कुछ समय पहले हुई है। ऐसे में द्रविड़वादी और नास्तिकता की राजनीति करने वाली डीएमके की चिंता समझी जा सकती है कि वहां भाजपा ने सनातनी प्रतीको के सहारे राजनीतिक हलचल मचानी शुरू कर दी है। हालांकि तमिलनाडु की ब्राह्मण और हिंदी विरोधी राजनीति में जमीन बनाने के लिए उसे बहुत ज्यादा मेहनत करनी होगी। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा अन्नाद्रमुक के साथ लड़ी थी और पहली बार चार सीटें जीती थी। उसे मात्र 2.6 प्रतिशत वोट मिले थे। लेकिन इस एंट्री से सत्तारूढ़ डीएमके के कान खड़े हो गए थे। कभी एनडीए हिस्सा रही और अब कांग्रेस के साथ गठबंधन में चल रही डीएमके ने भाजपा और संघ के आगे बढ़ने की राह कांटे बिछाने शुरू कर दिए हैं। सनातन धर्म पर हमला इसी की शुरूआत है। सवाल यह है कि सनातन धर्म का मुद्दा अभी क्यों उठा? इस देश की कुल आबादी में हिंदुओं की संख्या करीब 110 करोड़ है और इनमें भी 90 फीसदी लोग सनातन धर्म के अनुयायी हैं। जहां तक धार्मिकता की बात है तो दक्षिण के हिंदू उत्तर भारत की तुलना में ज्यादा कर्मकांडी हैं। क्या यह मोर्चा उन हिंदुओं के खिलाफ भी खोला गया है? डीएमके और प्रकारांतर से 'इंडिया' सनातनियों के खिलाफ मोर्चा खोल कर क्या संदेश देना चाहते हैं? इसमें दो राय नहीं कि हिंदू धर्म में कई बुराइयां हैं, जिनमें प्रमुख जाति व्यवस्था है। इसमे सुधार के आंदोलन भी समय समय पर होते रहे हैं। अभी भी हो रहे हैं। आगे भी होते रहेंगे। लेकिन केवल एक इसी आधार पर समूचे सनातन धर्म को खारिज करना क्या संदेश लिए हुए है? दक्षिण से हुए इस हमले ने इंडिया गठबंधन के घटक कुछ दलों के सामने मुश्किलें पैदा कर दी है। अगर कांग्रेस जैसी अखिल भारतीय पार्टी डीएमके का समर्थन करती है तो उसे सबसे ज्यादा नुकसान उत्तर और पश्चिम भारत में होगा। खासकर मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में जहां विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस के शीर्ष नेता खुद को भाजपाइयों से ज्यादा कट्टर सनातनी साबित करने की होड़ में लगे हैं। दूसरी दिक्कत शिवसेना जैसे उन घटक दलो के साथ है, जो बार–बार अपने हिंदुत्ववादी होने की दुहाई देते हैं और जिसने हाल में ही अपना 'राजनीतिक धर्मातंरण' किया है। उदयनिधि के बयान से परेशान शिवसेना (यू) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि वो इस मामले में सीएम एम.के.स्टालिन से बात करेंगे। लेकिन स्टालिन की लाइन स्पष्ट है, वो उद्धव से क्या बात करेंगे? सनातन धर्म पर हमले के पीछे एक रणनीति द्रविडवाद, आर्य संस्कृति विरोध और तमिल भाषा व संस्कृति को महान बताने की भी है। लिहाजा भाजपा के राजनीतिक विस्तार में एक भय तमिल संस्कृति के संकुचन का भी है। लेकिन उसे बचाने का सही उपाय सनातन संस्कृति पर हमला तो नहीं ही है। वैसे भी 'सनातन' अपने आप में कोई धर्म नहीं है। सनातन संस्कृत का शब्द है और इसका अर्थ है शाश्वत। चूंकि हिंदू धर्म की जो मान्यताएं, परंपराएं और सामाजिक व्यवस्थाएं हैं वो थोड़े बहुत बदलाव के साथ हजारों साल से चली आ रही है, इसलिए हिंदू धर्म सनातन है। यही ऋषियों से चला आ रहा आर्ष धर्म भी है। हालांकि आज के सनातन धर्म से तात्पर्य मुख्य रूप सगुण देवों की उपासना, धार्मिक सामाजिक कर्मकांड और वर्ण व्यवस्था में आस्था रखने से है। हिंदू धर्म में भी कई मत, पंथ और सम्प्रदाय हैं। सबकी अपनी परंपराएं और रिवाज हैं। यहां मूर्तिपूजक भी हिंदू है और निराकारपंथी भी हिंदू है। आस्तिक भी हिंदू है और नास्तिक भी हिंदू है। बावजूद इन मत मतांतरों के हिंदू धर्म की मुख्य धारा सनातनपंथी ही है। आलोचकों का आरोप है कि भाजपा और आरएसएस हिंदुत्व की आड़ में उसी सनातन धर्म को बढ़ावा दे रहे हैं, जो जाति विद्वेष, दलित उत्पीड़न और मनुष्य मनुष्य के बीच जन्म के आधार पर घृणित भेद को मान्य करता है। इसलिए इसका विरोध जरूरी है। जाति व्यवस्था खत्म हो, एक ही धर्म के अनुयायियों में जन्मगत आधार किसी तरह का भेद न हो, इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता। आखिर 21वीं सदी में आप मध्य युग के पैमानों पर नहीं जी सकते। लेकिन यहां मूल चिंता समाज सुधार अथवा सामाजिक न्याय की कम और राजनीतिक ज्यादा है। असनातनी अथवा नास्तिक हिंदुओं की राजनीतिक परेशानी यह है कि भाजपा और संघ ने सगुण आराधना के रैपर में हिंदुओं की तमाम जातियों को एक करने का काफी हद तक सफल प्रयास किया है। इससे निकले नवनीत का वह भाजपा के रूप में सत्तासीन होकर उपभोग कर रही है। पहले राम मंदिर, फिर काशी, अब मथुरा और भी कई ऐसे तीर अभी उसके तरकस में हैं, जिनकी चकाचौंध में आम हिंदू अपने ही धर्म के अंतर्विरोधों और जातीय यातनाओं को भुलाए बैठा है। गैर भाजपा दलों व सनातन विरोधियों का मानना है कि जब तक इस वर्ग को सामाजिक इतिहास का पुनर्बोध न कराया जाए, उन्हें अपनी राजनीतिक संजीवनी कायम रखना दूभर है।

निराधार मुद्दों के भरोसे विपक्ष, जुमले के अलावा उसके पास और है क्या?

दिल्ली का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है' भारतीय राजनीति की एक बड़ी लोकप्रिय लोकोक्ति है। इसका आधार लोकसभा की 543 में से 80 सीटों का अकेले उत्तर प्रदेश में होना है। यानी जिसने उत्तर प्रदेश का किला जीत लिया, देश पर शासन करने की कुंजी भी उसके हाथ ही लगती है। अधिकांश चुनाव इसी रुझान का बखान करते हैं। वर्ष 2014 के आम चुनाव में भाजपा को मिलीं कुल सीटों में 73 केवल उत्तर प्रदेश से मिली थीं। फिर 2019 के चुनाव में सपा–बसपा के गठजोड़ के चलते भाजपा की सीटें कुछ घटीं जरूर, पर तब भी वह राज्य की 64 सीटें जीतने में सफल रही। अब भाजपा ने यहां की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। बसपा प्रमुख मायावती ने चुनावों में अकेले उतरने का फैसला किया है। यह विपक्षी एकता की कोशिशों में लगे आइएनडीआइए के लिए झटका है। कांग्रेस का प्रदेश में सीमित जनाधार है। यदि सपा उससे मिलकर चुनाव लड़ेगी, तो उसे कोई फायदा होगा नहीं। उलटे अपनी कुछ सीटें कांग्रेस को देनी पड़ेंगी। सपा ने 2017 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन किया तो उसे 47 सीटें मिली थीं। पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा से गठबंधन किया तो मात्र पांच सीटें मिलीं। दोनों बार सपा को गठबंधन से लाभ नहीं मिला। ऐसे में क्या वह आइएनडीआइए से पीछे हट सकती है? सपा की दुविधा और बसपा की 'एकला–चलो' वाली रणनीति का लाभ भाजपा उठाना चाहेगी। राज्य में भाजपा की 'डबल–इंजन' सरकार है। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून एवं व्यवस्था के मोर्चे पर कड़े कदम उठाए हैं। कोरोना काल में कुशल नेतृत्व दिया। गरीबों को लंबे समय तक मुफ्त राशन उपलब्ध कराया और मोदी सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया है। विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। राहुल गांधी अदाणी के नाम पर निर्भर हैं। अदाणी के मुद्दे से गरीबों को क्या फर्क पड़ता है? गरीबों को घर बैठे राशन, पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, आवास और शौचालय, उज्ज्वला गैस सिलेंडर मिला है। यूरिया की मारामारी नहीं है। इससे भी बढ़कर उनके जनधन खाते में बिना बिचौलियों के पैसे आ रहे हैं। वे अदाणी की चिंता क्यों करें?

विपक्ष का दूसरा मुद्दा है कि देश की एकता, लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। इस आरोप के उलट जनता ने यही महसूस किया है कि मोदी हमेशा 140 करोड़ भारतवासियों की बात करते हैं और कल्याणकारी नीतियों में कोई भेदभाव नहीं करते। यदि लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में होता तो न विपक्ष इस प्रकार एकजुट हो पाता और न ही उसे प्रधानमंत्री को अपशब्द कहने की आजादी होती। लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की मिसाल तो कांग्रेस ने आपातकाल के दौरान संविधान को ताक पर रखकर विरोधियों को जेल में डालकर और प्रेस की आजादी पर अंकुश लगाकर कायम की थी। जबकि आज विपक्ष को विरोध की आजादी है। प्रेस के पास मोदी और सरकार की आलोचना की गुंजाइश है। जनता को सरकारें बनाने–हटाने का अधिकार है। सार्वजनिक विमर्श में मोदी, भाजपा और सरकार के प्रति असहमति, आलोचना और आरोपों की बौछार देखकर नहीं लगता कि देश में लोकतंत्र, संविधान और प्रेस की आजादी पर कोई खतरा है। लोकतंत्र में सशक्त विपक्ष की अपनी महत्ता है, पर क्या इसकी जिम्मेदारी भी मोदी की है? विपक्ष क्या कर रहा है? कांग्रेस क्यों सिमट रही है? यूपी में एक लोकसभा और सात विधानसभा सीटें जीतने वाली तथा कुछ राज्यों में सिमटी कांग्रेस क्या वास्तव में राष्ट्रीय पार्टी है? क्या पिछले विधानसभा चुनाव में एक सीट जीतने वाली बसपा राष्ट्रीय पार्टी है? सपा से उम्मीद थी, मगर अखिलेश यादव 'ट्विटर–पालिटिक्स' से आगे निकल नहीं पाए। उनके समक्ष अपनी वर्तमान पांच लोकसभा सीटें बचाने की ही बड़ी चुनौती है। इन दलों के विपरीत भाजपा उत्तर प्रदेश और देश में मजबूत सांगठनिक आधार, सशक्त दक्षिणपंथी विचारधारा तथा सकारात्मक सक्रियता के बलबूते जनता से गहरा जुड़ाव रखती है। लोकतांत्रिक राजनीति का मूलमंत्र है 'आप जनता के हो जाइए, जनता आपकी हो जाएगी।' क्या विपक्ष ने इस जुड़ाव के लिए कुछ किया? अभी वे आपस में ही नहीं जुड़ पा रहे हैं? भाजपा न केवल अपनी जीती हुई सीटों पर सक्रिय है, बल्कि उन 160 सीटों पर भी जनता से जुड़ने का कार्यक्रम मजबूती से शुरू कर चुकी है, जिन पर वह 2019 में हारी थी। उसके पास एक स्पष्ट लक्ष्य और रणनीति है।

भक्तिमार्ग दुर्बलता से नहीं ,वीरता से स्वीकार किया जाता है : रमेश भैया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भैया ने बताया कि गीता के दूसरे अध्याय के प्रारंभ में ही अर्जुन करुणा ग्रस्त अर्थात स्वजन आसक्ति जन्य दीनता से ग्रसित,पाप की कल्पना से भयभीत घबराया हुआ , आंसू बहाता हुआ, शोक करता हुआ दिखता है और कृष्ण भगवान उन्हें समझाते हुए कहते हैं। कि अनुचित समय पर अर्जुन तुझे कहां से यह पाप अर्थात हीन विचार सूझा है। श्रेष्ठ पुरुष इसे पसंद नहीं करते । इससे दुष्कीर्ति और दुर्गति ही होती है। पाप की व्याख्या करते हुए बाबा विनोबा ने कहा कि अच्छी बात भी अयोग्य समय पर करें तो वह पाप ही होता है।अंग्रेजी में कहावत है ऋ 'क्पतज पे उंजजमत कपचसंबमक' ऋ जो चीज ठीक जगह नहीं रखी गई , तो वह कचरा ही है। भले चीज अच्छी हो, लेकिन गलत जगह हो तो वह पाप होगा। अर्जुन की करुणा है,लेकिन वह भी गलत स्थान पर आयी , तो पाप हो गया। कोई भी सद्गुण अपनी जगह पर शोभा देता है। अभय गुण है लेकिन जहां डरना चाहिए वहां जरूर डरना चाहिए।कुछ डर अच्छा है जैसे कि मां ऋपिता बच्चे को अग्नि से डरना सिखाते हैं। डर बुरा है लेकिन योग्य जगह पर ही अच्छा होता है।

स्वजन आसक्ति निमित्त अर्जुन को जो शोक निर्माण हुआ वह उसके मन,बुद्धि,ह्रदय पर आघात कर रहा है। कृष्ण ने अर्जुन को इस आसक्ति निवारण के लिए उससे कहा, कि अर्जुन तू निर्वीर्य मत बन । तुझे यह सब बिल्कुल शोभा नहीं देता। क्षुद्र ,निर्बल वृत्ति छोड़कर छोड़कर तू उठ खड़ा हो। बाबा विनोबा ने बताया कि परमार्थ साधना का मुख्य आधार अंतःशक्ति ही है। बाहर की परिस्थिति की अनुकूलता या प्रतिकूलता गौण है।यह अनुकूल न हो तो विरोध कर सकते हैं ।लेकिन अंतः शक्ति नहीं होगी तो साधना ही नहीं होगी ।देखने में अर्जुन की भाषा अहिंसा और संन्यास की लगती है। वह कहता है वे मुझे भले ही मार डालें , मैं मरने को तैयार हूं। ये बातें अर्जुन दुर्बलता के कारण बोल रहा है । बाबा विनोबा कहते थे कि हिंदुस्तान की आम भक्तिमार्गी जनता में यह दुर्बलता है कि हमारे हांथ से क्या होने वाला है ,भगवान जो करेगा वही.... यह दुर्बल वृत्ति है। 'भक्ति मार्ग दुर्बलता से नहीं ,वीरता से स्वीकार किया जाता है'।

अर्जुन ने कुछ मन की तैयारी करते हुए कहा कि चलिए कृष्ण हम आपकी बात मान लेते हैं ।मुझे दुर्योधन को मारने में आपत्ति नहीं।

और अन्य संबंधियों की स्वजनआसक्ति भी में छोड़ सकता हूं। लेकिन भीष्मऋ द्रोण हमारे पूज्यनीय हैं। पूज्य गुरुजनों को मारने की अपेक्षा भिक्षा मांगकर भी जीना हमें मंजूर है लेकिन....

जबकि उपनिषद मानता है कि क्षत्रिय की दृष्टि से भिक्षा मांगना उचित नहीं है, इसका अर्जुन को खूब भान है फिर भी अर्जुन कहता है कि वह भी मांग लूंगा। महान कवि कालिदास ने भी कहा ही है, 'प्रतिबधन्याति हि श्रेयरूपूज्यऋ पूजा ऋव्यतिक्रमरू।' पूज्य पुरुषों की पूजा होने के बदले उल्टा होगा अर्थात अपूजा होगी तो श्रेयोऋ हानि होती है। युद्ध में किसकी विजय होगी,यह प्रश्न सदैव संशय युक्त रहता है।इसके बजाय अर्जुन ने यहां एक नैतिक प्रश्न कृष्ण के समक्ष उपस्थित किया कि युद्ध में किसकी विजय होना उचित है। प्रश्न अच्छा है किसकी जय से कल्याण होगा?

महाभारत के समय आधे से ज्यादा हिंदुस्तान कौरवों की तरफ था।पंजाब,बंगाल,उड़ीसा उत्तरप्रदेश,बिहार यह उत्तर और पूर्व का हिस्सा कौरवों के पक्ष में था। गुजरात राजस्थान के लोग पांडवों की तरफ थे।महाराष्ट्र आदि किधर थे ,यह निश्चित नहीं कहा जा सकता क्योंकि दक्षिण के कितने लोग आए थे यह बहुत मालूम नहीं। भारत के दो भाग पड़ गए थे।बलराम की सहानुभूति दुर्योधन की ओर और कृष्ण की पांडवों की ओर।

महायोगी गोरखनाथ विवि ने स्थापित किए नए मानक

'छात्र संसद का मॉडल देकर छात्र पदाधिकारियों का चुनाव कराने वाला पहला विश्वविद्यालय बना

बिना कक्षा बाधित हुए महज तीन दिन में पूर्ण हुई निर्वाचन प्रक्रिया

ऑनलाईन हुए मतदान में रंजीत शर्मा अध्यक्ष, अशोक चौधरी उपाध्यक्ष, संजना शर्मा महामंत्री व सुधा सिंह पुस्तकालय मंत्री निर्वाचित

गोरखपुर, 6 सितंबर। स्थापना के मात्र दो साल में उपलब्धियों की लंबी फेहरिस्त वाले महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर ने बुधवार को छात्र सहभागिता को आगे बढ़ाने के क्षेत्र में नया मानक स्थापित कर दिया। ऐसे दौर में जब अन्य विश्वविद्यालयों में छात्र संघ के चुनाव ऊहापोह की स्थिति में हैं, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने छात्र संसद का नया व अभिनव मॉडल देकर छात्र पदाधिकारियों का चुनाव कराया है। खास बात यह कि चुनाव प्रक्रिया महज तीन दिन में पूरी की गई वह भी कक्षाओं के संचलन में बिना किसी रुकावट के। चुनाव के मुख्य दिन, बुधवार को भी 3 बजे तक कक्षाएं चलती रहीं और इसके बाद अगले दो घण्टे (पांच बजे तक) ऑनलाइन मतदान हुआ और मतदान के कुछ ही मिनटों के बाद परिणाम घोषित कर दिया गया। यूपी में छात्र संसद के रूप में और ऑनलाइन मतदान से चुनाव कराने वाला पहला यह विश्वविद्यालय है। कुल 57 प्रतिशत हुए मतदान के बाद जारी परिणाम के मुताबिक रंजीत शर्मा अध्यक्ष, अशोक कुमार चौधरी उपाध्यक्ष, संजना शर्मा महामंत्री व सुधा सिंह को पुस्तकालय मंत्री चुना गया। अध्यक्ष के पद पर कांटे की टक्कर रही और जीत का फासला महज चार मतों का रहा।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में बनाए गए छात्र संसद के संविधान के अनुसार छात्र संसद के सांगठनिक स्वरूप में विश्वविद्यालय के कुलपति पदेन मुख्य संरक्षक, अधिष्ठाता छात्र कल्याण निदेशक व कुलसचिव बतौर सदस्य सचिव होंगे। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, पुस्तकालय मंत्री व कार्यकारिणी सदस्य के निर्वाचन का प्रावधान है। निर्वाचन वाले इन पदों पर चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार का सबसे पहले कक्षा प्रतिनिधि के पद पर निर्वाचित होना अनिर्वा है। इसके साथ ही प्रत्याशी के लिए अधिकतम उम्र सीमा 25 वर्ष व पूर्व की परीक्षाओं में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

छात्र संसद के संविधान की व्यवस्थाओं के अनुसार चुनाव प्रक्रिया 4 सितंबर से शुरु हुई। इस तिथि को कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव हुआ। कुल 34 कक्षा प्रतिनिधि चुने गए। इन्हीं निर्वाचित कक्षा प्रतिनिधियों में से अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, पुस्तकालय मंत्री के पदों पर दावेदारी की गई। 5 सितंबर को क्वालिफाइंग स्पीच में प्रत्याशियों ने छात्रों के समक्ष अपनी प्राथमिकताएं गिनाईं। 6 सितंबर को कक्षाओं के समाप्त होने के बाद अपराह्न3 बजे से शाम 5 बजे तक, दो घण्टे ऑनलाइन मतदान कराया गया। खास बात यह भी कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान एक दिन भी कोई क्लास बाधित नहीं हुआ।

चुनाव परिणाम की जानकारी देते हुए चुनाव अधिकारी ने बताया कि तय समय सीमा में कुल 57 प्रतिशत मतदान हुआ। अध्यक्ष पद पर रंजीत शर्मा 21 मत प्राप्त कर निर्वाचित हुए जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी शिवम पांडेय को 209 मत मिले। अन्य प्रत्याशियों में कामिनी चौरसिया को 140, शिवांगी मिश्रा को 140, अर्पिता चौधरी को 104 वोट मिले। इस पद पर 104 मतदाताओं ने नोटा विकल्प का चयन किया। उपाध्यक्ष पद पर 298 वोट हासिल कर अशोक कुमार चौधरी निर्वाचित हुए जबकि दूसरे स्थान पर नर्गिस जहां को 245 मत मिले। इस पद के तीसरे उम्मीदवार विध्यवासिनी गुप्ता को 216 मतों से संतोष करना पड़ा। उपाध्यक्ष महोदय पर 151 वोटरों ने नोटा का विकल्प चुना। महामंत्री पद पर संजना शर्मा 295 मत प्राप्त कर विजयी हुईं। निकटतम प्रतिद्वंद्वी नवीन कुमार पर्वत को 246 मत मिले। जबकि अन्य प्रत्याशियों में विष्णु अग्रहरि को 192 तथा अनिकेत मल्ल को 89 वोट हासिल हुए। इस पद पर 88 मतदाताओं की पसंद नोटा के नाम रही। पुस्तकालय मंत्री पर दो ही उम्मीदवार आमने सामने रहे। 384 वोट हासिल कर सुधा सिंह ने अंजलि तिवारी (339 वोट) को पराजित किया। इस पद पर 187 वोटरों ने नोटा का विकल्प चुना।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी व कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव ने छात्र संसद के नवनिर्वाचित पदाधिकारियो को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि यह छात्र संसद पूरे देश के सामने विश्वविद्यालय संचालन में छात्र सहभागिता की मिसाल कायम करेगी।

भक्तिमार्ग दुर्बलता से नहीं ,वीरता से स्वीकार किया जाता है : रमेश भैया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भैया ने बताया कि गीता के दूसरे अध्याय के प्रारंभ में ही अर्जुन करुणा ग्रस्त अर्थात स्वजन आसक्ति जन्य दीनता से ग्रसित,पाप की कल्पना से भयभीत घबराया हुआ , आंसू बहाता हुआ, शोक करता हुआ दिखता है और कृष्ण भगवान उन्हें समझाते हुए कहते हैं। कि अनुचित समय पर अर्जुन तुझे कहां से यह पाप अर्थात हीन विचार सूझा है। श्रेष्ठ पुरुष इसे पसंद नहीं करते । इससे दुष्कीर्ति और दुर्गति ही होती है। पाप की व्याख्या करते हुए बाबा विनोबा ने कहा कि अच्छी बात भी अयोग्य समय पर करें तो वह पाप ही होता है।अंग्रेजी में कहावत है ऋ 'क्पतज पे उंजजमत कपचसंबमक' जो चीज ठीक जगह नहीं रखी गई , तो वह कचरा ही है। भले चीज अच्छी हो, लेकिन गलत जगह हो तो वह पाप होगा। अर्जुन की करुणा है,लेकिन वह भी गलत स्थान पर आयी , तो पाप हो गया। कोई भी सद्गुण अपनी जगह पर शोभा देता है। अभय गुण है लेकिन जहां डरना चाहिए वहां जरूर डरना चाहिए।कुछ डर अच्छा है जैसे कि मां ऋपिता बच्चे को अग्नि से डरना सिखाते हैं। डर बुरा है लेकिन योग्य जगह पर ही अच्छा होता है।

स्वजन आसक्ति निमित्त अर्जुन को जो शोक निर्माण हुआ वह उसके मन,बुद्धि,ह्रदय पर आघात कर रहा है। कृष्ण ने अर्जुन को इस आसक्ति निवारण के लिए उससे कहा, कि अर्जुन तू निर्वीर्य मत बन । तुझे यह सब बिल्कुल शोभा नहीं देता। क्षुद्र ,निर्बल वृत्ति छोड़कर छोड़कर तू उठ खड़ा हो। बाबा विनोबा ने बताया कि परमार्थ साधना का मुख्य आधार अंतःशक्ति ही है।बाहर की परिस्थिति की अनुकूलता या प्रतिकूलता गौण है।यह अनुकूल न हो तो विरोध कर सकते हैं ।लेकिन अंतः शक्ति नहीं होगी तो साधना ही नहीं होगी ।देखने में अर्जुन की भाषा अहिंसा और संन्यास की लगती है। वह कहता है वे मुझे भले ही मार डालें , मैं मरने को तैयार हूं। ये बातें अर्जुन दुर्बलता के कारण बोल रहा है । बाबा विनोबा कहते थे कि हिंदुस्तान की आम भक्तिमार्गी जनता में यह दुर्बलता है कि हमारे हांथ से क्या होने वाला है ,भगवान जो करेगा वही.... यह दुर्बल वृत्ति है। 'भक्ति मार्ग दुर्बलता से नहीं ,वीरता से स्वीकार किया जाता है'।

अर्जुन ने कुछ मन की तैयारी करते हुए कहा कि चलिए कृष्ण हम आपकी बात मान लेते हैं ।मुझे दुर्योधन को मारने में आपत्ति नहीं।

और अन्य संबंधियों की स्वजनआसक्ति भी में छोड़ सकता हूं। लेकिन भीष्मऋ द्रोण हमारे पूज्यनीय हैं। पूज्य गुरुजनों को मारने की अपेक्षा भिक्षा मांगकर भी जीना हमें मंजूर है लेकिन....

जबकि उपनिषद मानता है कि क्षत्रिय की दृष्टि से भिक्षा मांगना उचित नहीं है, इसका अर्जुन को खूब भान है फिर भी अर्जुन कहता है कि वह भी मांग लूंगा। महान कवि कालिदास ने भी कहा ही है, 'प्रतिबधन्याति हि श्रेयरूपूज्यऋ पूजा ऋव्यतिक्रमरू।' पूज्य पुरुषों की पूजा होने के बदले उल्टा होगा अर्थात अपूजा होगी तो श्रेयोऋ हानि होती है। युद्ध में किसकी विजय होगी,यह प्रश्न सदैव संशय युक्त रहता है।इसके बजाय अर्जुन ने यहां एक नैतिक प्रश्न कृष्ण के समक्ष उपस्थित किया कि युद्ध में किसकी विजय होना उचित है। प्रश्न अच्छा है किसकी जय से कल्याण होगा? महाभारत के समय आधे से ज्यादा हिंदुस्तान कौरवों की तरफ था।पंजाब,बंगाल,उड़ीसा उत्तरप्रदेश,बिहार यह उत्तर और पूर्व का हिस्सा कौरवों के पक्ष में था। गुजरात राजस्थान के लोग पांडवों की तरफ थे।महाराष्ट्र आदि किधर थे ,यह निश्चित नहीं कहा जा सकता क्योंकि दक्षिण के कितने लोग आए थे यह बहुत मालूम नहीं। भारत के दो भाग पड़ गए थे।बलराम की सहानुभूति दुर्योधन की ओर और कृष्ण की पांडवों की ओर।

खेलो इंडिया अस्मिता वूमेन वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता संपन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केडी सिंह बाबू स्टेडियम वेटलिफ्टिंग हाल में उत्तर प्रदेश खेलकूद विभाग, जिला वेट लिफ्टिंग संघ तथा साई सेंटर लखनऊ के बैनर तले खेलो इंडिया अस्मिता वूमेन वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसका उद्देश्य बालिकाओं में खेल के प्रति रुचि उत्पन्न करना था तथा खेलो इंडिया की महत्वता का प्रचार प्रसार करना।

इस प्रतियोगिता का उद्घाटन क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अजीत सेठी ने किया अपने संबोधन में उन्होंने भारत की बेटियों का खेलों में योगदान का जिक्र किया और उपस्थित प्रतिभावान खिलाड़ियों आभार प्रकट किया।

इस प्रतियोगिता में पूरे जिले तथा साइ सेंटर के 40 प्रतिभावान बालिका वेटलिफ्टर ने भाग किया।

विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण इंद्रजीत सिंह ने किया।

सब जूनियर वर्ग के 40 किलोग्राम वर्ग में संध्या यादव प्रथम, साधना द्वितीय तथा तीसरे स्थान पर अरुण दानी अतुल रही।

45 किलोग्राम वर्ग में चित्र प्रथम स्थान द्वितीय स्थान पीवी क्षेत्या रही। 49 किलोग्राम वर्ग में सुनीता वर्मा प्रथम, खान निहारिका मिश्रा, तृतीय स्थान दीक्षा सिंह रही। 55 किलोग्राम वर्ग में अदिति दिया गंगाई ने प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान रितु पांडे, तीसरा स्थान पूनम पटेल ने प्राप्त किया।

जूनियर वर्ग में 40 किलोग्राम वर्ग में उषा ने प्रथम स्थान, द्वितीय स्थान नेहा पटेल ने प्राप्त किया।

59 किलोग्राम वर्ग में अन्वी वागए वास्तु प्रथम स्थान, तृतीय स्थान कुमकुम यादव, तीसरा स्थान मार्गरेट ने प्राप्त किया।

सीनियर वर्ग 64 किलोग्राम वर्ग में संजना गुप्ता ने प्रथम स्थान, कुमकुम यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 71 किलोग्राम वर्ग में नवदीप कौर ने प्रथम स्थान, सतरूपा कुशवाहा ने द्वितीय स्थान, अदिति वर्मा ने कृषि स्थान प्राप्त किया। 76 वर्ग किलोग्राम में ज्योति यादव ने प्रथम स्थान प्रीति पाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया

जूनियर की 81 वर्ग किलोग्राम में तनिष्का चौरसिया ने प्रथम तमन्ना यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 87 किलोग्राम जूनियर वर्ग में सोनम यादव ने प्रथम स्थान इच्छा पटेल ने द्वितीय स्थान तथा एकता पांडे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर प्रतियोगिता को संपन्न कराने में जीपी शर्मा, पार्षद रंजीत सिंह, संजीव गोसाई, संजय त्रिपाठी, पवन गोसाई, , वेटलिफ्टिंग कोच अरविंद कुशवाहा, नागेंद्र सिंह, दीपक हलधर, अरुण सिंह, इशरत अली प्रमुख योगदान रहा।

एस. एम. एस. लखनऊ में किया गया शिक्षकों का सम्मान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। शिक्षक दिवस के अवसर पर एस. एम. एस. लखनऊ द्वारा समस्त शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों को एक कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हर वर्ष की भांति संस्थान के 19 शिक्षकों को शिक्षण, अनुसंधान, शोध–पत्र प्रकाशन एवं पेटेंट को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहन धनराशि चेक द्वारा उपलब्ध कराकर प्रोत्साहित किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में प्रो. भरत राज सिंह, डॉ. मनोज मेहरोत्रा, डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, डॉ. हेमन्त कुमार सिंह, डॉ. आशा कुलश्रेष्ठ, डॉ. प्रियांक शर्मा, डॉ. वेद कुमार, डॉ. ज्योति प्रकाश, डॉ. से. अजहर अब्बास रिजवी, डॉ. सुधाकर दीक्षित, डॉ. श्रृंखला श्रीवास्तव, अशोक सेन गुप्ता, सत्यजीत अस्थाना, असद करीम उस्मानी, डॉ. नियति गौड़, डॉ. लक्ष्मी कुमारी, डॉ. राजीव त्रिपाठी, डॉ. अनोद कुमार सिंह तथा श्री शाश्वत बाजपेयी रहे। इसी क्रम में कृषि उद्यमी कृषक विकास चेम्बर एवं द लखनऊ ट्रिब्यून ने संस्थान के 10 शिक्षकों को चयनित कर सम्मानित। किया। संस्थान के डीन इंजीनियरिंग डॉ. हेमन्त कुमार सिंह को वर्ष के श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में चयनित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कृषि विकास चेम्बर के अध्यक्ष डॉ. आर. के. सरन तथा द लखनऊ ट्रिब्यून के के. पी. सिंह द्वारा एस. एम. एस. संस्थान के साचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

श्री शरद सिंह ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई दिये तथा एवं आने वाले समय में ज्यादा से ज्यादा अनुसंधान एवं शोध क्षेत्र में कार्य करने हेतु अपेक्षा की गयी। कार्यक्रम में संस्थान के सभी वरिष्ठ अधिकारीगण एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

राधा कृष्ण पर पेंटिंग बनाकर फेमस हुई रिया चौधरी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राजधानी के निराला नगर निवासी रिया चौधरी ने राधा कृष्ण पर पेंटिंग बनाकर प्रसिद्धि हासिल की है। रिया ने बताया कि माता – शालिनी चौधरी से पेंटिंग बनाने की प्रेरणा मिली।माता – शालिनी चौधरी बहुत अच्छी पेंटिंग बनाती हैं। रिया ने टेक्नो कॉलेज के फाइन आर्ट डिपार्टमेंट से 2023 में बीएफए कंप्लीट किया है। पिता – अखिलेश चौधरी ने बताया कि रिया बचपन से ही रचनात्मक कार्यों में रुचि लेते रही है और धार्मिक पेंटिंग ज्यादातर बनाती है।आर्ट टीचर मोहन मावा ने बताया कि धार्मिक चित्र और व्यक्ति चित्र बनाना रिया की प्रतिभा को पूर्ण रुप से दर्शाता है, एकृलिक माध्यम का प्रयोग रिया के चित्रो की पहचान है,वह एक भक्तिभाव से भरी चित्रकार है, अब तक बहुत सी प्रदर्शनी कर चुकी है रिया। कई पुरस्कार भी प्राप्त किए है,पहले वो एक सामान्य विद्यार्थी थी परन्तु उसके कठिन परिश्रम ने उसे असामान्य बना दिया , उसका यह बदलाव देखकर सभी हतप्रभ हो गए,प्रधानमंत्री के मिशन लाइफ से लेकर उत्तर प्रदेश योग दिवस जैसे कार्यक्रम की प्रदर्शनी के लिए भी रिया ने चित्रो की श्रंखला भी बनाई है।

पहले झूठ बोलकर निकाह, फिर विरोध पर दिया तीन तलाक

लखनऊ (संवाददाता)। झूठ बोलकर निकाह करने और फिर विरोध पर तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने ठाकुरगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। इसके अलावा दुबग्गा थाने में एक महिला ने पति सहित छह के खिलाफ दहेज प्रताड़ना और तीन तलाक का केस दर्ज कराया है। राजाजीपुरम के काला पहाड़ निवासी महिला के मुताबिक, वर्ष 2018 में सुल्तानपुर चांदा निवासी शाहिद खां से उसका निकाह हुआ था। आरोपी ने खुद को सरकारी अस्पताल का डॉक्टर बताया था। ससुराल पहुंचने पर आरोपी की हकीकत सामने आ गई। विरोध पर महिला के साथ मारपीट की गई। आजिज आकर पीड़िता मायके लौट आई। चार माह पहले आरोपी पति ने उसे तीन तलाक देकर दूसरा निकाह कर लिया। पीड़िता ने ठाकुरगंज कोतवाली में पति शाहिद खां व दो अन्य के खिलाफ तीन सितंबर को केस दर्ज कराया है।

कैलिफोर्निया में मनाया गया श्री कृष्ण जन्मोत्सव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विनोबा विचार प्रवाह के सूत्रधार रमेश भैया ने बताया कि भारत में तो कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व वृहत स्तर पर कल से ही मनाया जा रहा है। सभी को खूब शुभकामनाएं दी जा रही हैं। जगह जगह मंदिर सजे हैं।हर कोई कृष्णमय दीख रहा है।मथुरा वृंदावन की तो अनोखी ही छटा है। विनोबा विचार प्रवाह।परिवार से जुड़े स्वामी स्वतंत्रता नंद जी के माध्यम से विदेश में कैलिफोर्निया में Fremont Hindu temple Vedic Dharma samaj Californi आयोजन किया गया है।श्री स्वतंत्रता नंद जी को।बाबा विनोबा का सानिध्य पवनार वर्धा में प्राप्त हुआ है। वे चिन्मय मिशन और श्री श्री रविशंकर महाराज जी के साथ भी जुड़कर काम कर चुके हैं।अभी उनका आश्रम शीशमझाड़ी ऋषिकेश और वृंदावन में विद्यमान है। विनोबा विचार प्रवाह परिवार की ओर से अनार बेन पटेल ने स्वामी स्वतंत्रतानद जी को वहां अच्छे आयोजन की शुभकामनाएं भेजी है।

संसद के विशेष सत्र में आएगा महिला आरक्षण विधेयक!

लखनऊ (संवाददाता)। मोदी सरकार संसद के विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक ला सकती है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के घटक दलों को इसकी आहट है और इस पर अपनी सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने से पहले उन्हें आरक्षण के फॉर्मूले को सामने रखे जाने का इंतजार है। हालांकि, उनका मानना है कि सत्ताधारी दल ने अपेक्षाकृत अधिक मतदाता संख्या वाले लोकसभा क्षेत्र में दो सदस्य (एक महिला व एक पुरुष) चुनने की व्यवस्था कर इस आरक्षण को लागू करने की पूरी तैयारी कर ली है।

31 अक्टूबर तक दो फेज का कार्य पूरा करने का है लक्ष्य

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या पीडब्लूडी ने रामपथ का निर्माण 30 नवम्बर तक पूरा करने की तैयारी कर ली है। अभी तीन फेज में पूरे रामपथ का कार्य हो रहा है। जिसमें नयाघाट से उदया चौराहा व सहादतगंज से सिविल लाइन पर काम तेजी से चल रहा है। इसको 31 अक्टूबर तक पूरा करने का लक्ष्य विभाग ने रखा है। इस सड़क पर समतलीकरण का कार्य प्रारम्भ हो गया है। इसके अलावा शेष बची सड़क पर डक्ट, केबल बिछाना समेत अन्य कार्य 90 प्रतिशत हो चुके है।

रामपथ पर सिविल लाईन से सहादतगंज तक पोल हटाने का कार्य चल रहा है। अयोध्या आगमन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा रामपथ को लेकर बैठक में दिये गये दिशा निर्देश के बाद काम में और तेजी आ गयी। पहले रामपथ में उदया चौराहे से नया घाट तक कार्य दीपोत्सव से पहले किये जाने का निर्देश दिया गया था। परन्तु अब इसमें सहातदगंज से सिविल लाईन का रुट भी जोड़ दिया गया है। जिससे दोनो फेज के कार्य एक साथ चलेंगे तथा इन्हें 31 अक्टूबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। 15 से 24 जनवरी के मध्य राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होना है। जिसमें यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आने का न्यौता दिया है। इससे पहले होने वाला दीपोत्सव भी काफी खास होने जा रहा है। इस दीपोत्सव में भारी भीड़ उमड़ने की आशंका जताई जा रही है। अधिशाषी अभियंता पीडब्लूडी ध्रुव अग्रवाल ने बताया कि मशीने व मजदूरों की संख्या बढ़ाई गयी है। रोड़ समतलीकरण प्रारम्भ हो गया है। आगे का कार्य भी एक हफ्ते में प्रारम्भ हो जायेगा। इन दोनो फेज के अलावा बची सड़क निर्माण 30 नवम्बर तक पूरा कर देंगे। इसमें अभी पोल हटाने का कार्य चल रहा है।

अयोध्या राम नगरी में कृष्ण महोत्सव की आज धूम

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।नगर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी का महोत्सव आज मध्य रात्रि भगवान के जन्म के साथ आरंभ हो जाएगा। जगह–जगह सजाए जा रहे पूजा पंडालों में भगवान की श्री कृष्ण की मनोहारी झांकियां सजाई गई है। लगभग दो दर्जन स्थानों पर पंडालों में प्रतिमा की स्थापना करके भगवान का पूजन किया जाएगा।महोत्सव के अंत में 13 सितंबर को भगवान कृष्ण की भव्य शोभायात्रा अपने–अपने पूजा स्थल से निकलकर चौक, रिकाबगंज, नियावां के रास्ते गुप्तार घाट जाएगी ,लेकिन पूरे नगर में जिस तरह से सीवर लाइन के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हैं उस वजह से किसी दुर्घटना की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। सबसे बड़ी समस्या रिकाबगंज चौराहे से नियावां तक खोदे गए बड़े–बड़े गड्ढे है जिनकी वजह से शोभा यात्रा का क्या कहें पैदल मार्ग भी बंद है। जिस वजह से इस मार्ग से शोभायात्रा का निकल पाना असम्भव प्रतीत होता है। इन्हीं जगहों के निरीक्षण के लिए अपर जिला अधिकारी नगर सलिल कुमार पटेल एवं केंद्रीय दुर्गा पूजा एवं रामलीला समन्वय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने संयुक्त रूप से शोभायात्रा मार्ग का निरीक्षण किया, जिसमें सबसे दयनीय स्थिति रिकाबगंज चौराहे से आगे अलका टावर के सामने मुख्य मार्ग पर एक बहुत बड़ा गड्ढा दिखाई पड़ा। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के कर्मचारियों को तुरंत इस गड्ढे को बंद करके आवागमन सामान्य करने का निर्देश दिया तथा यह भी कहा की शोभा यात्रा निकलने तक किसी प्रकार का नया व्यवधान उत्पन्न न होने पाए। लगभग यही स्थिति फतेहगंज चौराहा से वजीरगंज स्थित मारवाड़ी भवन तक है, जहां पर ओवरब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है।लालबाग और वजीरगंज के क्षेत्र में स्थापित होने वाली प्रतिमाओं की शोभा यात्रा का यही मार्ग है लेकिन यहां पर भी मार्ग अत्यंत ही दयनीय स्थिति में है। केंद्रीय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने कहा की 13 सितंबर को भगवान श्री कृष्ण की भव्य शोभायात्रा इसी मार्ग से जानी है, उसके पश्चात 28 सितंबर को भगवान गणेश की शोभायात्रा भी इसी मार्ग से जानी है, इसलिए इस मार्ग को सही कर कर चलने योग्य बनाया जाना अत्यंत ही आवश्यक है। निरीक्षण करने वालों में प्रमुख रूप से अधिशासी अभियंता जल निगम नागर इकाई के साथ केंद्रीय समिति के गगन जायसवाल,प्रेमनाथ राय, जे एन चतुर्वेदी, सुप्रीत कपूर, बजरंगी साहू,रंजीत शर्मा, विशाल गुप्ता आदि मौजूद रहे।

अयोध्या पहुंचा क्रूज, डेढ़ घंटे में पूरी कराएगा 18 किमी की यात्रा, सफर के साथ मिलेगा नाश्ता भी

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।अयोध्या में क्रूज की लांचिंग आठ सितम्बर को चौधरी चरण सिंह घाट पर होगी। यह क्रूज दुबई से तैयार होकर मंगलवार को अयोध्या पहुंच गया। इस क्रूज का परिचालन अयोध्या धाम के चौधरी चरण सिंह घाट से लेकर गुप्तारघाट तक होगा। इसकी बुकिंग आनलाइन व आफलाइन दोनों तरह से होगी।

एजेंसी के प्रबंध निदेशक राहुल शर्मा ने बताया कि इस यात्रा में एक तरफ की दूरी नौ किलोमीटर है। इस तरह अप–डाउन को मिलाकर 18 किलोमीटर की दूरी करीब डेढ़ घंटे में तय की जाएगी। तीन सौ के टिकट में यात्रियों को पीने के पानी के अलावा स्नैक्स भी उपलब्ध कराया जाएगा। जटायु क्रूज में सुरक्षा की दृष्टि से डबल इंजन लगाया गया है। इसमें 35–35 यात्रियों के लिए दो कम्पार्टमेन्ट बनाए गये है और अतिरिक्त ओपेन में बैठने की भी व्यवस्था है। इस क्रूज में बैठने वाले यात्रियों को सम्पूर्ण रामायण चलचित्र के माध्यम से दिखाई जाएगी और यात्रा के मार्ग में पड़ने वाले घाटों सहित ऐतिहासिक भवनों के इतिहास से भी परिचित कराया जाएगा।करीब 45 फिट लंबे एवं 15 फिट चौड़े जटायु क्रूज की बोर्डिंग चौधरी चरण सिंह घाट पर ही होगी। गुप्तारघाट पर यात्री उतर सकते हैं लेकिन बोर्डिंग नहीं कर सकेंगे। खास बात यह है कि यह क्रूज तीन–चार फुट पानी में भी चलने में सक्षम है।

सीएमओ डॉ संजय जैन ने किया जिला चिकित्सालय के डेंगू डेडीकेटेड का निरीक्षण

अयोध्या।डेंगू के बढ़ते हुए मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग सतर्क दिखाई दे रहा है।बुधवार को सीएमओ डॉ संजय जैन ने अपने टीम के साथ डेंगू डेडीकेटेड वार्ड का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने वहां पर मौजूद स्वास्थ्य विभाग के कर्मियों को वहां पर हमेशा साफ सफाई का ध्यान दिया जाए।इस वार्ड में जिन मरीजों को भर्ती किया जाए तो उनके बेड पर मच्छर दानी का जरुर उपयोग किया जाए।इसके अलावा वहां पर लगे सभी कूलरो में प्रतिदिन पानी बदला जाए।जिला चिकित्सालय परिसर में कही पर जल भराव न होने पाए।निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ संजय जैन ने जिला चिकित्सालय के कर्मियों को निर्देश दिए कि इस चिकित्सालय में डेंगू से पीड़ित भर्ती होने वाले सभी मरीजों का नाम पता एवं मोबाइल नंबर रजिस्टर पर सही रुप से अंकित किया जाए।इस दौरान एसीएमओ (वी बी डी) डॉ पुष्पेंद्र कुमार,जिला सर्विलांस अधिकारी डॉक्टर वी पी त्रिपाठी, जिला मलेरिया अधिकारी मंजुला आनंद व जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ अरविंद श्रीवास्तव मौजूद रहे।

32 हजार करोड़ से विश्व पटल पर छाएगी अयोध्या

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।

सप्तपुरियों में श्रेष्ठ भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या आदिकाल से ही दुनिया का मार्गदर्शन करती रही है। अयोध्या अब एक बार फिर विश्व भर के लिए नजीर बनेगी। रामनगरी 32 हजार करोड़ से दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक हब बनने की ओर तेजी से बढ़ रही है। जल्द ही यहां मंदिरों का एक अनूठा संग्रहालय भी बनने जा रहा है, जिसमें दुनिया भर के प्राचीन मंदिरों की झलक दिखेगी।

सरकार का लक्ष्य अयोध्या को विश्वस्तरीय धार्मिक पर्यटन नगरी के रूप में विकसित करने का है। अयोध्या को लेकर सरकार की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि खुद पीएम नरेंद्र मोदी की नजर अयोध्या की विकास योजनाओं पर है। मंगलवार को पीएम ने अयोध्या के विकास को लेकर दिल्ली में बैठक की। बैठक में सीएम योगी, नगर विकास मंत्री अरविंद शर्मा, कमिश्नर गौरव दयाल व डीएम नितीश कुमार मौजूद थे। इस बैठक का निचोड़ विकास योजनाओं की गति बढ़ाने पर रहा।

पीएम की बैठक के बाद बुधवार को अयोध्या में हलचल भी दिखी। कमिश्नर ने सभी विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की और विकास योजनाओं की गति बढ़ाने का निर्देश दिया है।

अगले साल लोकसभा चुनाव भी होना है, ऐसे में इन कोशिशों को सियासत से भी जोड़कर देखा जा रहा है। फिलहाल जनवरी में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा से पहले एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, पार्किंग, स्मार्ट सड़कों सहित अन्य कई बड़ी योजनाएं पूरी हो जाने की संभावना है।'हर साल आएंगे 10 करोड़ लोग'

राममंदिर निर्माण शुरू होते ही अयोध्या में पर्यटकों व श्रद्धालुओं की संख्या चार गुना बढ़ गई है। पिछले साल अयोध्या में चार करोड़ श्रद्धालु आए। अनुमान है कि मंदिर खुलने के बाद हर साल करीब 10 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। 26 बड़े होटलों का निर्माण होने जा रहा है। सरयू में क्रूज चलाने की तैयारी है। यहां के धार्मिक केंद्रों का सुंदरीकरण कराया जा रहा है।

एयरपोर्ट–1200 करोड़–80 फीसदी–दिसंबर 2023

देश–दुनिया से अयोध्या की कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए एयरपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है। 1150 करोड़ से बन रहे एयरपोर्ट का 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है। दो फेज में इसे बनाया जा रहा है। रनवे का काम लगभग पूरा हो चुका है। नवंबर से एयरपोर्ट से उड़ानें शुरू हो जाएंगी। एयरपोर्ट से 15 मिनट में राम मंदिर पहुंचा जा सकता है।

'योजना–लागत–प्रगति–डेडलाइन'

'बस स्टेशन–219 करोड़–100 फीसदी'

9 एकड़ में 219 करोड़ से अयोध्याधाम बस स्टेशन का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। जो लोग अपने निजी वाहन से अयोध्या आएंगे। उनके लिए जन्मभूमि से एक से डेढ़ किमी. पहले पार्किंग रहेगी। बस स्टेशन से ई–बसों के संचालन की भी योजना है। इस स्टेशन का विस्तारीकरण की भी योजना पर जल्द काम शुरू हो जाएगा।

अयोध्या बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक हबः 32 हजार करोड़ के प्रोजेक्टय 20 फाइव स्टार होटल खुलेंगेय हर साल पहुंचेंगे 12 करोड़ भक्त

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो)। सुरेंद्र कुमार।राम नगरी अयोध्या...सज रही है। संवर रही है। 5–10 हजार करोड़ नहीं, बल्कि 32 हजार करोड़ से। इसमें राम लला के मंदिर की लागत अलग है। सरकार का टारगेट अयोध्या को दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक पर्यटन हब बनाने का है। यह इसी से समझा जा सकता है कि खुद पीएम नरेंद्र मोदी इस पूरे प्रोजेक्ट पर नजर रखे हुए हैं।

मंगलवार को पीएम ने अयोध्या के डेवलपमेंट को लेकर दिल्ली में मीटिंग की। इसमें यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, अयोध्या कमिश्नर और डीएम भी पहुंचे। मंथन हुआ कि आखिर कैसे अयोध्या को और सुंदर और बेहतर बनाया जाए? सियासी लोग इस पूरी कसरत को 2024 के आम चुनाव से जोड़कर देख रहे हैं। चलिए, आपको अयोध्या के सबसे बड़े प्रोजेक्ट गिनवाते हैं...

1. 320 करोड़ से बन रहा एयरपोर्ट...जनवरी से पहले उद्घाटन

अयोध्या में सरकार 320 करोड़ की लागत से मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बना रही है। दो फेज में इसे बनाया जा रहा। रनवे का काम लगभग पूरा हो चुका है। बिल्डिंग भी 80: तक तैयार है।

पर्यटन विभाग के मुताबिक, रामलला की प्राण–प्रतिष्ठा से पहले एयरपोर्ट स्टार्ट हो जाएगा। यानी जनवरी से पहले। एयरपोर्ट के सेकेंड फेज का निर्माण पूरा होने के बाद 700 से ज्यादा यात्रियों को हैंडल किया जा सकता है। एयरपोर्ट से 15 मिनट में राम मंदिर पहुंचा जा सकता है।

2– 219 करोड़ की लागत से बन रहा बस स्टेशन

अयोध्या धाम बस स्टेशन को भव्य तरीके से तैयार किया जा रहा है। इसे 9 एकड़ में 219 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा है। जो लोग अपने निजी वाहन से अयोध्या आएंगे, वो जन्मभूमि से एक से डेढ़ किमी पहले पार्किंग में अपना वाहन खड़ा करेंगे। इसके बाद ई–रिक्शा से मंदिर तक जा सकते हैं।

3– 230 करोड़ में बन रहा अयोध्या जंक्शन

अयोध्या जंक्शन के लिए 150 करोड़ का बजट दिया था, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 230 करोड़ कर दिया गया है। नए स्टेशन को भव्य तरीके से बनाया जा रहा है। करीब 10 हजार वर्ग मीटर में नई बिल्डिंग बनाई जा रही है। इसमें सवा दो सौ कमरे, डॉरमेट्री, एस्केलेटर, फूड प्लाजा और 24 कोच के 3 प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

सरकार की योजना रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही इस नई स्टेशन बिल्डिंग को शुरू करने की है। पुरानी बिल्डिंग को पूरी तरह से तोड़ दिया जाएगा। ट्रेन से राम मंदिर जाने के 3 रास्ते हैं। काशी से आए, तो अयोध्या जंक्शन उतरेंगे। लखनऊ से आए तो अयोध्या कैंट और गोरखपुर से आ रहे हैं, तो रामघाट स्टेशन पर उतरेंगे। अयोध्या जंक्शन से राम मंदिर मात्र 800 मीटर की दूरी पर है। अयोध्या कैंट से इसकी दूरी 9 किमी और रामघाट से 3 किमी है।

4– 20 हॉस्पिटैलिटी कंपनियों को लाइसेंस मिला

योगी सरकार ने 20 से ज्यादा हॉस्पिटैलिटी कंपनियों लाइसेंस दिया है। अयोध्या में 20 फाइव स्टार होटल बनाए जाएंगे। इसमें ताज होटल समेत कई बड़े ग्रुप शामिल हैं। ताज ग्रुप ने तो जमीन भी तलाश ली है। ताज ग्रुप अयोध्या में जल्द 5–स्टार होटल बनाएगा। इसके अलावा विवांता 100 कमरे वाले और जिंजर 120 कमरों वाले होटल खोलेगी। यही नहीं, रेडिसन और ओयो ग्रुप भी लग्जरी होटल बनाने की तैयारी में हैं। इसके अलावा पर्यटकों के रोमांच के लिए क्रूज भी चलाए जाएंगे।

मंदिर बनने के बाद हर साल आएंगे 12 करोड़ श्रद्धालु

मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद रामनगरी में पर्यटक और श्रद्धालुओं की संख्या में दोगुना बढ़ोतरी हुई है। यही वजह है कि सरकार राम मंदिर बनने के बाद देश के सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं को अयोध्या में लाने की तैयारी में है। अफसरों का मानना है कि मंदिर बनने के बाद यहां हर महीने 1 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। यानी साल में 12 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पहुंचेंगे।

सबसे आखिर में जानते हैं...दुनिया के वो धार्मिक स्थल, जहां सबसे अधिक लोग पहुंचते हैं।

अयोध्या महिला कांन्सटेबल केस : पीड़िता को आया होश, रेप की पुष्टि नहीं, हाईकोर्ट की दखल

लखनऊ (संवाददाता)। 30 अगस्त की रात सरयू एक्सप्रेस में लहुलुहाल हालत में मिली मुख्य महिला आरक्षी ट्रामा सेंटर में एडमिट है। उसकी हालत में सुधार है। उसे होश आ गया है। मंगलवार को उसे पीने के लिए पानी दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार वह रिकवरी कर रही है। पुलिस के अनुसार अभी वह बात करने की हालत में नहीं है। जब वह खुद बता पाएगी कि उसके साथ क्या हुआ है तभी ठीक से घटना के बारे में पता चल सकेगा। इस मामले की जांच अब यूपी एसटीएफ के हाथ में हैं। हाईकोर्ट के सीधे दखल के बाद यह मामला हाई प्रोफाइल हो गया है। हाईकोर्ट ने रविवार की शाम इस मामले की विशेष सुनवाई की थी। उसके बाद पुलिस और सरकार दोनों ही एक्टिव मोड में हैं। मनकापुर से अयोध्या होकर प्रयागराज जाने वाली सरयू एक्सप्रेस में बीते बुधवार की सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला मुख्य आरक्षी गंभीर रूप से घायल पाई गई थी। उसके शरीर पर धारदार हथियार से वार किए जाने के निशान थे। वह अधनिग्न अवस्था में थी। उस समय यह आशंका जताई जा रही थी कि उसके साथ दुष्कर्म कर हत्या करने का प्रयास किया गया है। उसे गंभीर अवस्था में श्रीराम अस्पताल अयोध्या से लखनऊ रेफर कर दिया गया था, जहां ट्रामा सेंटर में उसका इलाज चल रहा है। बताया गया कि उक्त महिला मुख्य आरक्षी सुल्तानपुर पुलिस में तैनात है। उसकी अयोध्या सावन झूला मेला में ड्यूटी लगी हुई थी। वह मंगलवार की रात सुल्तानपुर से सरयू एक्सप्रेस में अयोध्या आने के लिए सवार हुई थी लेकिन ट्रेन में सो जाने के कारण वह मनकापुर पहुंच गई। सुबह करीब 4रू30 बजे जब सरयू एक्सप्रेस अयोध्या पहुंची तो वह गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिली। इस मामले में पुलिस ने अपनी जांच शुरू की थी। इस मामले की संवेदनशीलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इसे खुद संज्ञान में लिया। रविवार को रात आठ बजे मुख्य न्यायाधीश के आवास पर अदालत लगाई गई। मुख्य न्यायाधीश ने मामले का संज्ञान लेते हुए रात आठ बजे अपने आवास पर अदालत लगाने का फरमान जारी कर दिया। अदालत बैठने की सूचना महाधिवक्ता को दी गई। तय समय पर रात आठ बजे सीजे आवास पर हाईकोर्ट का स्टॉफ, सरकारी वकील और याची अधिवक्ता पेश हुए। मुख्य न्यायधीश प्रीतिंकर दिवाकर और न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की खंडपीठ ने सुनवाई शुरू की।

केंद्रीय मंत्री के रिश्तेदार ने की थी भाजपा कार्यकर्ता विनय की हत्या, पुलिस की विवेचना जारी

लखनऊ (संवाददाता)। भाजपा कार्यकर्ता विनय श्रीवास्तव हत्याकांड में एक बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने जिसको मुख्य आरोपी अंकित वर्मा बता विनय को गोली मारने का दावा किया था वह केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर का रिश्तेदार है। वह मंत्री की भाभी की बहन का बेटा है। मतलब विकास किशोर का मौसेरा भाई। अब ऐसी आशंका बढ़ रही है कि विनय की हत्या के पीछे कोई बड़ी व निजी वजह है। फिलहाल पुलिस की विवेचना जारी है। मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल, संदिग्धों की लोकेशन आदि खंगाली जा रही है। क्योंकि, तमाम सवाल अभी भी अनसुलझे हैं। ठाकुरगंज के फरीदीपुर इलाके में मंत्री कौशल किशोर के आवास पर 31 अगस्त को भाजपा कार्यकर्ता विनय श्रीवास्तव व उसके दोस्त मौजूद थे। एक सितंबर को तड़के विनय की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने वारदात का खुलासा कर तीन आरोपियों अंकित वर्मा, अजय रावत और शमीम को गिरफ्तार किया था। दावा किया था कि जुए के विवाद में वारदात को अंजाम दिया गया। गोली अंकित वर्मा ने मारी थी। दो सितंबर को आरोपी कोर्ट में पेश किए गए थे। जहां से जेल भेजे गए थे। अब एक बड़ी जानकारी सामने आई। दरअसल आरोपी अंकित वर्मा मंत्री की भाभी की बहन का लड़का है। वह अपने मौसेरे भाई व मंत्री पुत्र विकास के साथ ही अधिकतर रहता था। वारदात की रात भी वह उसी आवास पर था। साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने उस पर कार्रवाई की थी।

विनय लंबे समय से मंत्री का करीबी था। विकास किशोर के साथ साए की तरह रहता था। उस पर मंत्री व विकास दोनों आंख बंद कर भरोसा करते थे। यही वजह है कि थार कार तक उसकी मां के नाम ली थी। अन्य कुछ जमीन उसके नाम पर खरीदने की भी बात सामने आ रही है।

स्मृतिशेष ममता मिश्रा जी की ९ वी पुण्यतिथि पर ८ सितंबर को होगी श्रद्धांजलि सभा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्मृतिशेष ममता मिश्रा जी की 9 वी पुण्यतिथि दिनांक 8 सितंबर 2023 दिन शुक्रवार को निज निवास 44/01 मालवीय नगर,ऐशबाग लखनऊ में प्रातः 10 बजे से 1 बजे तक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन सुनिश्चित किया गया है!आप समस्त सुधीजनों से आग्रहपूर्वक निवेदन है कि उक्त समय व स्थान पर उपस्थित होकर पुष्पांजलि अर्पित कर पुण्यात्मा को तृप्ति प्रदान करे।

राजीव मिश्रा,क्षेत्रीय उपाध्यक्ष,भारतीय जनता पार्टी,अवध क्षेत्र अध्यक्ष,ममता चौरिटेबल ट्रस्ट ने उक्त जानकारी दी।

कुत्तों के शवों के निस्तारण के लिए लगेगा प्लांट, दो घंटे में पचास कुत्तों का होगा एक साथ अंतिम संस्कार

लखनऊ (संवाददाता)। शहर में मृत कुत्तों के निस्तारण की अभी कोई पुख्ता व्यवस्था नहीं है मगर अब उनका निस्तारण सही तरीके से किया जाएगा। उसको लेकर एक प्लांट लगाया जाएगा। यह विद्युत शवदाह गृह की तरह काम करेगा। इसको लेकर प्रस्ताव भी पास हो गया है। जिस पर करीब चार करोड़ रुपए खर्च होंगे। कंपनी चयन को लेकर इसी महीने टेंडर प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाएगी। नगर निगम के पशुकल्याण अधिकारी डा. अभिनव वर्मा का कहना है कि अभी सभी आठों जोन में मिलाकर रोज करीब 100 से अधिक शिकायतें कंट्रोल रूम में मृत कुत्तों को उठाने को लेकर आती हैं। नगर निगम की टीम उनको उठाकर लाती है और फिर उनको शिवरी प्लांट पर ले जाकर खाली जगह में गड्ढा खोदकर दफनाया जाता है। अभी उनके किसी अन्य तरह से निस्तारण की व्यवस्था नहीं है। अब नई व्यवस्था में मृत कुत्तों के लिए इंसीनरेटर लगाने की योजना पास हुई है। जिसके मृत कुत्तों का निस्तारण विद्युतशवदाह की तरह होने लगेगा। यह प्लांट सीएनजी गैस से चलेगा। बिजली से भी उसको चलाया जा सकेगा जो प्लांट लगाया जाएगा उसमें एक साथ 50 कुत्तों का निस्तारण किया जा सकेगा। उसके लिए उमसें पांच भट्ठी लगेंगी। हर भट्ठी की ट्रे मे 10 मृत कुत्ते रखे जा सकेंगे। एक बार मशीन चलेगी तो वह करीब दो घंटे लेगी। इस तरह एक बार में 50 कुत्तों का अंतिम संस्कार हो जाएगा। महापौर सुषमा खर्कवाल का कहना है कि मृत कुत्तों के निस्तारण का प्लांट लग जाने से बहुत एक बड़ी समस्या हल हो जाएगी। अभी निस्तारण का कोई सही इंतजाम नहीं है।

बस में लगी आग, बाल-बाल बचे यात्री, आलमबाग से गोरखपुर जा रही थी बस

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में आलमबाग से गोरखुपर जा रही कानपुर के किदवई नगर डिपो की बस में मंगलवार रात लालबत्ती चौराहा के ब्रेक जाम होने से अचानक आग लग गई। बस में 15 यात्री सवार थे।

अचानक लगी आग से यात्रियों में होश उड़ गए। उन्होंने किसी तरह बस से उतर कर अपनी जान बचाई। घटना में किसी यात्री को नुकसान होने की खबर नहीं है। शाम करीब साढ़े आठ बजे गौतमपल्ली स्थित लालबत्ती चौराहा पर यूपी 78 एफएन 3424 बस के ब्रेक जाम हो गया। जिसकी धुआं निकलने लगा। धुआं देख यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई। बस में 15 यात्री सवार थे। धुआं देख कई यात्री खिड़की खोलकर नीचे कूद गए।

हालांकि ड्राइवर और कंडक्टर ने बस को सुरक्षित रोकने के बाद सभी यात्रियों को बाहर निकाल लिया। कुछ ही देर में मौके पर दमकल की गाड़ी भी पहुंच गई। तब तक स्थिति पर लगभग काबू पाया जा चुका था। बस को दोबारा आलमबाग रवाना किया गया। जहां से दूसरी बस से यात्रियों को भेजा गया।

मंत्री के बेटे विकास किशोर से देर रात तक थाने में पूछताछ, साजिश से किया इनकार

लखनऊ (संवाददाता)। विनय श्रीवास्तव हत्याकांड में केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के बेटे विकास किशोर से ठाकुरगंज थाने में मंगलवार देर रात दो घंटे पूछताछ की गई। इस दौरान उसने स्वीकार किया गया पिस्तौल रखने में गलती की। उसे इस तरह से पिस्तौल घर में नहीं छोड़ना चाहिए था। वहीं उसने हत्या की साजिश में शामिल होने की बात से साफ इनकार किया है। इस दौरान एसीपी चौक व इंस्पेक्टर ठाकुरगंज ने 25 से अधिक सवाल किये। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के बेटे को ठाकुरगंज पुलिस ने विनय हत्याकांड में पूछताछ के लिए नोटिस भेजा था। वह मंगलवार रात आठ बजे तीन साथियों के साथ पहुंचा। आधे घंटे बाद से एसीपी चौक सुनील शर्मा व इंस्पेक्टर ठाकुरगंज विकास राय ने पूछताछ शुरू की।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।